तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 37 अंक 55 | कोरबा, मंगलवार, दिनांक 25 नवंबर 2025 डाक 26 नवंबर 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
वाराणसी के दालमंडी में अवैध इमारतों को गिराने के दौरान तैनात सुरक्षाकर्मी

देश-विदेश
मकान बताकर दान कर दिया करोड़ों का अस्पताल, 20 लाख की स्टांप चोरी के आरोप में कार्रवाई की तैयारी

फीचर पेज
लक्जरी घड़ी खरीदते समय रखें इन बातों का ध्यान,कर पाएंगे सही चयन

राम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजा की स्थापना, पीएम मोदी ने फहराया ध्वज

अयोध्या, 25 नवंबर [एजेंसी]।

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य शिखर पर आज एक ऐतिहासिक पल आया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिखर पर केसरिया धर्म ध्वजा फहराई। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद, इस ध्वजारोहण को मंदिर निर्माण के संपूर्ण होने की वैश्विक घोषणा माना जा रहा है। यह भव्य कार्यक्रम विवाह पंचमी के शुभ अवसर पर आयोजित किया गया, जिसका धार्मिक महत्व और भी बढ़ जाता है। पीएम मोदी ने राम दरबार और गर्भगृह में पूजा-अर्चना भी की। उनके साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी मौजूद रहीं। 161 फीट ऊंचे शिखर पर फहराया गया यह केसरिया ध्वज त्याग, धर्मनिष्ठा और रामराज्य के मूल्यों का प्रतीक है। ध्वजारोहण के साथ ही पूरी अयोध्या नगरी में भक्ति, उत्साह और अलौकिक वैभव का माहौल छा गया। श्रद्धालु अपनी आंखों के सामने ये विहंगम दृश्य देखकर भाव विभोर हो गए। दूर-दूर से लोग धर्म ध्वजा को लहराते हुए देखने के लिए राम नगरी आए हुए थे।

झंडा पारंपरिक उत्तर भारतीय नागर आर्किटेक्चरल स्टाइल में बने शिखर पर फहराया जाएगा। मंदिर के चारों ओर बना 800 मीटर का परकोटा, जो दक्षिण भारतीय आर्किटेक्चरल परंपरा में डिज़ाइन किया गया है, जो मंदिर की आर्किटेक्चरल विविधता को दिखाता है। पीएम मोदी का हजारों लोगों ने उनका भव्य तरीके से स्वागत किया। यहां उन्होंने सप्तमंदिर में पूजा की, शेषावतार मंदिर गए। राम दरबार में मंत्रोच्चार के बीच आशीर्वाद लिया। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ और यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ श्री राम जन्मभूमि मंदिर में ऐतिहासिक ध्वजारोहण से पहले माता अन्नपूर्णा मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस खास आयोजन के लिए श्रीराम मंदिर ट्रस्ट ने बड़े पैमाने पर लोगों को न्यौता दिया था. वहीं, धर्म ध्वजा के आरोहण कार्यक्रम के लिए राम नगरी को दुल्हन की तरह सजाया गया है. मंदिर की भी भव्य सजावट की गई है। इसके साथ ही सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए हैं, क्योंकि शहर में तमाम वीवीआईपी लोगों की मौजूदगी है।

करोड़ों लोगों की आस्था साकार हुई : भागवत

इस मौके पर सर संघचालक मोहन भागवत ने कहा कि आज हम सबके लिए सार्थकता का दिन है। इसके लिए जितने लोगों ने प्राण न्योछावर किए, उनकी आत्मा तृप्त हुई होगी। अशोक जी को वहां पर शांति मिली होगी। आज मंदिर का ध्वजारोहण हो गया। राम राज्य का ध्वज जो कभी अयोध्या में फहराता था, आज वह फहरा गया है। इस भगवा ध्वज पर रघुकुल का प्रतीक कोविदार वृक्ष है। यह वृक्ष रघुकुल की सत्ता का प्रतीक है। यह वह वृक्ष है जिसके लिए कहा जाता है, कि वृक्ष सबके लिए छाया देते हैं, स्वंय धूप में खड़े रहकर, फल भी दूसरों के लिए देते हैं।

सीएम योगी के संबोधन में दिखी नई उर्जा

इस मौके पर सीएम योगी अदित्यनाथ के संबोधन में एक नई उर्जा दिखाई दी। उन्होंने कहा कि मंदिर के शिखर फहरा रहा यह केसरिया ध्वज नए भारत का प्रतीक है। 500 वर्षों में समय बदला, नेतृत्व बदला, लेकिन आस्था न झुकी, न रुकी। जब आरएसएस के हाथ में कमान आई तो सिर्फ एक ही आवाज गूंजती रही। रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे।

कंटेनर से टकराई बोलेरो 3 लोगों की मौत, 2 गंभीर

भुवनेश्वर। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 16 पर कटक जिले के टांगी थाना अंतर्गत बइंचुआ रजकणा चौक के पास तड़के एक भयावह सड़क हादसा हो गया। यहां एक बोलेरो डिवाइडर तोड़कर विपरीत दिशा से आ रहे कंटेनर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टांगी पुलिस ने दोनों घायलों को तत्काल बचाकर कटक के बड़े मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। सूचना के अनुसार, मंगलवार तड़के करीब 3.50 बजे के आसपास केंदुझर से भुवनेश्वर की ओर आ रही एक बोलेरो डिवाइडर तोड़कर दूसरी दिशा से आ रहे कंटेनर से टकरा गई। कंटेनर भुवनेश्वर से चंडीखोल की ओर जा रहा था। बोलेरो में खदान में काम करने वाले लोग सवार थे। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि बोलेरो में सवार तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और दो गंभीर घायल हो गए। घायलों को टांगी पुलिस ने बचाकर तुरंत कटक बड़े मेडिकल भेजा।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुरु तेग बहादुर के 350 वें शहीदी दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

नईदिल्ली 25 नवंबर [एजेंसी]।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को गुरु तेग बहादुर को उनके 350वें शहीदी दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर हम उनके अद्वितीय साहस और बलिदान को नमन करते हैं। उन्होंने कहा, ''आस्था और मानवता की रक्षा के लिए उनकी शहादत हमारे समाज को सदैव आलोकित करेगी।'' एक अप्रैल, 1621 को अमृतसर के गुरु के महल में जन्मे तेग बहादुर, गुरु हरगोबिंद के सबसे छोटे पुत्र और नौवें सिख गुरु थे। 24 नवंबर, 1675 को दिल्ली में मुगल बादशाह औरंगजेब के आदेश पर उनका सिर कलम कर दिया गया था।

26 का अलर्ट! चंडीगढ पहुंचने की तैयारी में 10 हजार किसान

पीयू में पूर्ण बंद का आह्वान, पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद

चंडीगढ़, 25 नवंबर [एजेंसी]।

26 नवंबर को चंडीगढ़ में दो बड़े विरोध प्रदर्शनों के एक साथ होने से ट्राईसिटी में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर तनाव बढ़ गया है। एक ओर संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) अपने आंदोलन की 5वीं वर्षगांठ पर विशाल मार्च निकालेगा, तो दूसरी ओर पंजाब यूनिवर्सिटी बचाओ मोर्चा ने विश्वविद्यालय में पूर्ण बंद की घोषणा की है।

इन दोनों प्रदर्शनों के ओवरलैप होने से शहर में भीड़, जाम और सुरक्षा चुनौतियां बढ़ने की आशंका है। पुलिस ने किसान संगठनों को सेक्टर-43 के दशहरा ग्राउंड में शांतिपूर्ण रैली करने की अनुमति दी है। पुलिस के अनुसार देशभर के 30 से अधिक किसान संगठनों से जुड़े करीब 10,000 प्रदर्शनकारी पंजाब, हरियाणा और आसपास के राज्यों से चंडीगढ़ पहुंच सकते हैं।

10 नवंबर को कुछ किसान संगठनों के पीयू पहुंचने पर कैंपस में अराजक स्थिति बन गई थी। गेट तोड़े गए, बॉर्डर बंद किए गए और कई मुख्य सड़कों पर घंटों जाम लगा रहा। पुलिस ने उस मामले में एफआईआर दर्ज की थी। प्रशासन को आशंका है कि इस बार भी पीयू बंद और किसान मार्च के साथ होने से कुछ क्षेत्रों में अतिरिक्त दबाव बन सकता है।

एसएसपी कंवरदीप कौर ने बताया संघों द्वारा अनुमति मांगे जाने पर हमने उन्हें सेक्टर-43 में स्थान उपलब्ध कराया है। शहर में 3000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। अभी तक बार्डर सील करने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है। हमारा उद्देश्य शांतिपूर्ण रैली सुनिश्चित करना है। किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने कहा कि रैली का उद्देश्य एसकेएम आंदोलन की पांचवीं वर्षगांठ को चिह्नित करना, एमएसपी की कानूनी गारंटी, दर्ज मामलों की वापसी, एवं आंदोलन के दौरान शहीद किसानों के परिवारों को मुआवजा जैसी लंबित मांगों को दोहराना है।

संसद के शीत सत्र में विपक्ष से न हो टकराव, सरकार का 30 नवंबर को सर्वदलीय बैठक का प्रस्ताव

नईदिल्ली 25 नवंबर [एजेंसी]।

केंद्र सरकार ने लगातार हंगामे की भेंट चढ़ रहे संसद सत्र को ठीक ढंग से चलाने के लिए सभी विपक्षी दलों को बातचीत के लिए साथ लाने की कोशिश शुरू कर दी है। न्यूज एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक, इसी कड़ी में संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने 30 नवंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। केंद्र सरकार इसके जरिए शीत सत्र की कार्यवाही को ठीक ढंग से चलाने को लेकर सहमति बनाने की कोशिश करेगी। संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है और सरकार इस बार 10 नए विधेयक (बिल) पेश करने की तैयारी में है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है परमाणु ऊर्जा विधेयक, 2025, जो देश के नागरिक परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का रास्ता बनाएगा। अब तक यह क्षेत्र पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में रहा है। सरकार का कहना है कि यह नया कानून परमाणु ऊर्जा के उपयोग और उसके नियमन से जुड़े ढांचे को आधुनिक और प्रभावी बनाएगा। इससे देश में ऊर्जा उत्पादन और तकनीकी विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। सत्र के एजेंडे में हायर एजुकेशन कमीशन ऑफ इंडिया बिल भी शामिल है।

दिल्ली समेत यूपी-बिहार में पड़ेगी कड़ाके की ठंड, मौसम विभाग ने 5 राज्यों में जारी किया बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। नवंबर का महीना लगभग बीतने वाला है। पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी के बाद उत्तर भारत में सर्दियों ने पैर पसारना शुरू कर दिया है। वहीं, बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान की स्थिति बन रही है। अगले 24 घंटे के भीतर अंडमान सागर में मौसम अचानक करवट ले सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, आज बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इससे अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में 25-29 नवंबर तक भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, 25-27 नवंबर तक तमिलनाडु, केरल और माहे में भी तेज बरसात का अनुमान जताया गया है। मौसम विभाग ने 30 नवंबर तक आंध्र प्रदेश, केरल और पुडुचेरी के भी तटीय इलाकों में तेज बारिश होने की संभावना जताई है। ऐसे में समुद्र पूरे उफान पर रहेगा, जिससे मछुआरों और पर्यटकों को तटीय इलाकों से दूर रहने की चेतावनी जारी की गई है। उत्तर भारत की बात करें तो ज्यादातर राज्यों में तापमान तेजी से लुढ़क रहा है। जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में पारा अभी से रिकॉर्ड तोड़ने लगा है। मौसम विभाग ने आज भी श्रीनगर, नैनीताल और देहारदून समेत मनाली और शिमला में तापमान तेजी से कम होने का अनुमान लगाया है। दिल्ली में गिरते तापमान के साथ प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। राजधानी में भी मौसम जल्द ही करवट ले सकता है, जिससे दिल्ली समेत आसपास के इलाकों में कड़ाके की ठंड का एहसास होने वाला है। हालांकि, इस बीच दिल्ली एनसीआर का वायु गुणवत्ता सूचकांक 450 के पार पहुंच गया है, जिससे लोगों का सांस लेना दिन-ब-दिन मुश्किल होता जा रहा है।

तेज रफ्तार कार ने स्कूली वैन को मारी टक्कर, कई बच्चे घायल, 5 की हालत गंभीर

अमनौर (सारण) 25 नवंबर। अमनौर-तरैया मुख्य मार्ग पर मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हो गया, जब अमनौर जान गांव के पास तेज रफ्तार से आ रही एक स्कॉर्पियो ने केडी पब्लिक स्कूल की मिनी वैन को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। अचानक हुई इस भिड़ंत से स्कूल वैन में सवार लगभग एक दर्जन बच्चे घायल हो गए। इनमें चार से पांच छात्रों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने बच्चों को बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भेजा।

आय से अधिक संपत्ति का मामला: लोकायुक्त अधिकारियों ने 8 जिलों में 10 जगहों पर छापेमारी की

बेंगलुरु 25 नवंबर। कर्नाटक लोकायुक्त अधिकारियों ने मंगलवार को राज्य भर में 10 जगहों पर छापेमारी की। इन जगहों पर सरकारी अधिकारियों पर उनकी आय के ज्ञात स्रोत से ज्यादा संपत्ति जमा करने का आरोप है। ये छापे मांड्या, बीदर, मैसूर, धारवाड़, हावेरी, बेंगलुरु, शिवमोग्गा और दावणगेरे जिलों में मारे जा रहे हैं। लोकायुक्त के अनुसार, पीडब्ल्यूडी डिपार्टमेंट से जुड़े असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर डी.एम. गिरीश, चीफ अकाउंट्स ऑफिसर मांड्या सी. पुट्टास्वामी, चीफ इंजीनियर (अपर कृष्णा प्रोजेक्ट) बीदर प्रेम सिंह, रेवेन्यू इंस्पेक्टर सी. रामास्वामी, धारवाड़ में कर्नाटक यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर सुभाष चंद्र की प्रॉपर्टीज जब्त की गई हैं। सीनियर वेटेरिनरी एग्जामिनर हुइलगोल सतीश, प्रोजेक्ट डायरेक्टर के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर ऑफिस हावेरी शेकप्पा, ऑफिस सुपरिंटेंडेंट, रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी, बेंगलुरु पी. कुमारस्वामी, फर्स्ट डिवीजन असिस्टेंट एसआईएमएस मेडिकल कॉलेज शिवमोग्गा सी.एन. लक्ष्मीपति की प्रॉपर्टीज पर भी छापे मारे जा रहे हैं। याद दिला दें कि 7 नवंबर को कर्नाटक लोकायुक्त ने बेंगलुरु के छह आरटीओ पर छापे मारे थे और बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों का पता लगाया था। कर्नाटक लोकायुक्त ने जनता की कई शिकायतों के बाद बेंगलुरु के छह रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस में अचानक छापे मारे थे। जिन जगहों पर छापे मारे गए उनमें यशवंतपुर, राजाजीनगर, जयनगर, येलहंका, कस्तूरीनगर और के.आर. पुरम शामिल थे। कर्नाटक लोकायुक्त ने 12 अधिकारियों के खिलाफ भी छापे मारे और आय से अधिक संपत्ति के मामले में 381 करोड़ रुपए जब्त किए। ये सर्च 14 अक्टूबर, 2025 को 48 जगहों पर की गई, जिसमें अधिकारियों और उनके रिश्तेदारों के घर, ऑफिस और प्रॉपर्टी शामिल थीं।

अफगानिस्तान पर पाकिस्तानी सेना ने फिर किया हमला

9 बच्चों समेत 10 की मौत, भड़का तालिबान

नई दिल्ली 25 नवंबर। अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत में पाकिस्तानी सेना ने देर रात हमला किया, जिसमें 9 बच्चों और एक महिला की मौत हो गई। अफगान तालिबन के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने मंगलवार को इस संबंध में जानकारी दी। सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, कल रात 12 बजे खोस्त प्रांत के गेरबज़्वो जिले में पाकिस्तानी हमलावर सेना ने एक लोकल विलायत खान के घर पर बमबारी की, जिसमें 9 बच्चे (5 लड़के और 4 लड़कियां) और एक महिला की मौत हो गई और उनका घर तबाह हो गया। तालिबान ने बताया कि पाकिस्तान ने कुनार और पक्तिका प्रांतों में भी छापे मारे, जिसमें चार आम लोग घायल हो गए। ये छापे पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार को हुए दो सुसाइड बम धमाकों के बाद हुए, जिसमें 3 पैरामिलिट्री जवानों की मौत हो गई थी।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

विस्फोट के बाद राख का विशाल गुबार भारत की ओर, उड़ानें प्रभावित, डीजीसीए ने जारी की एडवाइजरी

नईदिल्ली 25 नवंबर [एजेंसी]।

पूर्वी अफ्रीकी देश इथियोपिया के हैली गुबी ज्वालामुखी में 12,000 साल बाद हुए विस्फोट से निकले राख का विशाल गुबार अब भारत के आसमान तक पहुंच गया है, जिसके चलते उड़ान संचालन को लेकर बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। घने राख बादल के कारण कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द हुईं। समय रहते नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइनों को प्रभावित क्षेत्रों से बचने, रूट बदलने और सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। जारी बयान के अनुसार इसका सबसे ज्यादा असर अभी तक दिल्ली-एनसीआर व उत्तर भारत के क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है।

हैली गुबी ज्वालामुखी लगभग 12,000 साल बाद फटा है। विस्फोट में उठी राख रेड सी पार करती हुई यमन, ओमान होती हुई अब अरब सागर और उत्तर भारत की ओर बढ़ गई। राख के घने हिस्से अब दिल्ली, हरियाणा और पश्चिमी यूपी के ऊपर से गुजर रहे हैं। विशेषज्ञों ने बताया कि राख बहुत ऊंचाई पर है, इसलिए जमीन पर वायु गुणवत्ता बिगड़ने की संभावना कम है। फिर भी निगरानी जारी है। राख के खतरे को देखते हुए कई एयरलाइनों ने अपनी उड़ानें रद्द या बदलनी शुरू कर दी हैं। अकासा एयर ने जेद्दा, कुवैत और अबू धाबी के लिए 24-25 नवंबर की सभी उड़ानें रद्द कर दीं।

केएलएम रॉयल डच एयरलाइंस ने अपनी एम्स्टर्डम-दिल्ली (केएल 871) और दिल्ली-एम्स्टर्डम (केएल 872) सेवाएं रद्द की हैं। वहीं दूसरी ओर इंडिगो ने यात्रियों से सतर्कता बरतने की सलाह देते हुए कई उड़ानों के रूट और संचालन में बदलाव किया। इंडिगो ने एक्स पर कहा कि ऐसी खबरें चिंता बढ़ा सकती हैं, लेकिन यात्रियों की सुरक्षा उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। विशाल राख के गुबार के असर को देखते हुए एअर इंडिया ने कुछ उड़ानें रद्द कर दी हैं। यह कदम सुरक्षा के लिए उठाया गया है, ताकि उन विमानों की जांच की जा सके जो प्रभावित क्षेत्रों के ऊपर से उड़ान भर चुके हैं।

शिक्षकों से आवारा स्वानो की जानकारी संकलित कराने पर फेडरेशन ने जताई नाराजगी

कोरबा । छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के पदाधिकारियों ने नाराजगी जाहिर करते हुए शिक्षक संवर्ग का पदनाम बदलकर मल्टी-टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) रखने की सलाह दी है, उन्होंने कहा की जिस तरह से शिक्षकों से गैर शिक्षकीय कार्य कराया जा रहा है, उससे यह नाम देना उचित होगा, ताकि शिक्षकों से मूल कार्य के बजाय कोई भी काम लिया जा सके। विरोध करते हुए फेडरेशन ने शासन की नीति का विरोध करते हुए छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होना बताया है।

शासकीय विद्यालयो में शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करने के नाम पर राज्य सरकार ने शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया था। सरकार ने विद्यालयो के शिक्षकों को आवारा स्वानो की जानकारी संकलित कर ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और निगम को देने का अजीबो-गरीब फरमान जारी किया है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी व जिलाध्यक्ष कोरबा सर्वेश सोनी, संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी अजय दुबे, यज्ञेश पांडेय, विरेन्द्र पांडेय आदि सभी ने नाराजगी जाहिर करते हुए सरकार से पूछा है कि क्या विद्यालयो में छात्रों को विषय ज्ञान देना अत्यावश्यक सेवा नहीं है ? क्या आवारा स्वानो की सूचना देने का कार्य, शिक्षकों से कराने का आदेश माननीय सुप्रीम कोर्ट ने दिया है ? फेडरेशन के पदाधिकारियों का कहना है कि अधिकांश विद्यालयो में बाउंड्रीवॉल नहीं है। यदि है तो जीर्णोद्धार की स्थिति में है। ऐसे में शाला प्रमुख/शिक्षक आवारा स्वानो का शाला में प्रवेश के रोकथाम हेतु ?प्रबंध कैसे करेंगे ? आवारा स्वानो से क्या शिक्षकों को खतरा नहीं है ? बाउंड्रीवॉल नहीं होने से असामाजिक तत्वों का जमावड़ा देर रात तक विद्यालयो में होता है। इसके कारण शालेय वातावरण दूषित होता है, बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। शाला प्रमुख/शिक्षक को इसके रोकथाम के लिए जिला प्रशासन व जनमानस से सहयोग नहीं मिलता है।

विद्यालय में छात्रों ने किया हवन

कोरबा । डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल खरमोरा में प्रार्थना सभा संपन्न हुई। इसके बाद विद्यालय परिसर में हवन कर शिक्षकों ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की मंगलकामना करी। कक्षा एक से लेकर कक्षा 10वीं तक के छात्रों को हैंडराइटिंग प्रतियोगिता के सर्टिफिकेट और पदक प्रदान किए गए। कई छात्रों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। प्राचार्य हेमंत मुखर्जी ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं ना केवल प्रतिभा को निखारती है, बल्कि छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ाती हैं। उन्होंने छात्रों को सतत अभ्यास, अनुशासन और सकारात्मक सोच को जीवन में अपनाने की सलाह दी। छात्रों को अपने लक्ष्य स्पष्ट रखने, समय का सदुपयोग करने और प्रतिदिन आत्म मूल्यांकन करने प्रेरित किया। गायत्री परिवार के पंडित अर्जुन वर्मा के मार्गदर्शन में हवन किया गया।

नहर लाइनिंग मरम्मत के लिए जारी दूसरा टेंडर हुआ निरस्त

कोरबा । कोरबा अंचल के हृदय स्थल के बीच से गुजरी बांयीं तट नहर की लाइनिंग की मरम्मत कार्य अभी तक शुरू नहीं हो सका है। तीन में से एक टेंडर जारी हुआ है, लेकिन काम शुरू नहीं हुआ है। दूसरे टेंडर के लिए एक ठेका कंपनी सामने आई थी, जो पात्र नहीं होने से निरस्त कर दी गई। तीसरे टेंडर के लिए कोई वेंडर सामने नहीं आया है। अब एक बार फिर टेंडर कराया जाएगा।
उल्लेखनीय हैं कि नहर की लाइनिंग टूटने से कभी भी इसके फूटने का डर बना हुआ है। इसकी वजह से सड़क भी दब रही है। कोरबा अंचल सुनालिया चौक संजय नगर के आगे रेलवे स्टेशन रोड पर तो सेफ्टी वाल ही टूट गया है। बिजली के खंभे भी झुक गए हैं। 48 से 9500 मीटर तक नहर लाइनिंग के लिए 7 करोड़ 24 लाख रुपए की मंजूरी मिली है। इसका टेंडर हो चुका है।

विभाग ने बिलासपुर की ठेका कंपनी को वर्क आर्डर जारी किया है। फिलहाल काम शुरू नहीं हुआ है। इसके आगे 9500 से 1200 मीटर तक लाइनिंग बनाने के लिए भी 7 करोड़ 49 लाख रुपए की मंजूरी मिली है। इसका दूसरा टेंडर जारी किया गया, लेकिन ठेका कंपनी अपात्र साबित हुई। 12 से 18 किमी के बीच लाइनिंग की मरम्मत के लिए 6 करोड़ रुपए की मंजूरी मिली है। इसके लिए वेंडर ही नहीं मिल रहे हैं। रबी फसल के लिए जनवरी में पानी छोड़ा जाना है। अप्रैल तक पानी देने से मरम्मत के लिए समय नहीं मिलेगा। लाइनिंग खराब होने से नहर में पूरी क्षमता के साथ पानी नहीं छोड़ा जा रहा है।

कटघोरा थाना परिसर में मिले अजगर और कोबरा सर्प- पुलिसकर्मियों ने किया रेस्क्यू

कोरबा । कोरबा जिलान्तर्गत कटघोरा थाना परिसर में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक विशालकाय अजगर और बाद में एक अहिराज सर्प देखा गया। इन घटनाओं के बाद पुलिसकर्मियों और स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। दोनों सर्पो का सफलता पूर्वक रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया। पहली घटना अंतर्गत शिकायत दर्ज कराने आए लोगों ने थाना परिसर में खड़ी एक गाड़ी में 10 फीट लंबे अजगर को कुंडली मारे बैठे देखा। देखते ही देखते मौके पर भीड़ जमा हो गई। प्रधान आरक्षक अनुज सिंह ने काफी मशक्कत के बाद अजगर को पकड़ा। बताया गया कि यह अजगर पिछले दो दिनों से थाना परिसर के आसपास विचरण कर रहा था। इसी दिन शाम को दूसरी घटना सामने आई। जिसमे कटघोरा थाना परिसर स्थित पुलिस कॉलोनी में एक पुलिसकर्मी के घर के आंगन में गमले के पास लगभग 7 फीट लंबा अहिराज (कोबरा) सर्प कुंडली मारकर बैठा मिला। लाइट जलाने पर सांप पर नजर पड़ी, जिससे घरवाले डरकर बाहर भाग गए। सूचना मिलने पर इस सर्प को भी रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा गया। थाना परिसर में लगातार सांप निकलने की इन घटनाओं से कॉलोनी के निवासी भयभीत हैं। पुलिस कर्मियों का कहना है कि यह परिसर सर्पो के लिए एक तरह का डेरा बन गया है, जिससे सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा की शासी परिसद की बैठक 06 दिसंबर को

कोरबा । कलेक्टर सह अध्यक्ष जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा की अध्यक्षता में जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा की शासी परिषद की बैठक 06 दिसंबर को प्रात: 11 बजे कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष कोरबा में आयोजित की गई है।

महिला आयोग द्वारा प्राप्त शिकायतों की सुनवाई 27 नवंबर को

कोरबा । छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. श्रीमती किरणमयी नायक एवं न्याय पीठ द्वारा कोरबा जिले से प्राप्त शिकायतों की सुनवाई 27 नवंबर को प्रात: 11 बजे कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष कोरबा में मे नियत की गई है।

मेहनत की फसल और सम्मान की कीमत- सिरमिना के किसानों ने बेचा धान

सिंचाई का पर्याप्त साधन नहीं होने के बाद भी बोते हैं धान की फसल

कोरबा। जिले के पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के दूरस्थ ग्राम सिरमिना में रहने वाले लगभग 80 वर्षीय किसान समुद्र राम कुर्मी, संतलाल, अनुराग जायसवाल, दिलदार साय, ग्राम कोठीखर्रा के रमेश साहू, ग्राम अटारी के रामलगन, ग्राम सिमगा के खुलेन्द्र, ग्राम घोंसरा के रामविलास ने इस वर्ष धान उपार्जन केंद्र सिरमिना में अपना पंजीयन कराया और आज केंद्र में अपनी मेहनत की फसल को बेचकर खुशी महसूस की। वे सिंचाई की सुविधा न होने के बावजूद वे वर्षों से मेहनत कर धान की फसल लेते आ रहे हैं। विपरीत परिस्थितियों में भी फसल बोने वाले किसानों द्वारा जब उपार्जन केन्द्र में धान बेची जाती है तो उन्हें एक अलग ही खुशी महसूस होती है।

किसान समुद्र राम कुर्मी, संतलाल, अनुराग जायसवाल, दिलदार साय, रमेश साहू, रामलगन, खुलेन्द्र, रामविलास बताते हैं कि उनके क्षेत्र में सिंचाई का कोई साधन नहीं है, इसलिए फसल निकालना बेहद कठिन होता है। फिर भी जब मेहनत से उगाई गई फसल कटकर घर आती है, तो उनके चेहरे पर संतोष और खुशी साफ झलकती है। धान उपार्जन केन्द्र सिरमिना में किसान खुलेन्द्र पिता करमन ने 110 क्विंटल, रामविलास ने 112 क्विंटल, संतलाल ने 73

क्विंटल, अनुराग जायसवाल ने 70 क्विंटल, रमेश साहू ने 49 क्विंटल, रामलगन ने 60 क्विंटल धान बेचा। इन सभी किसानों ने बताया कि धान उपार्जन केंद्र सिरमिना में किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होती। किसानों का कहना है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने किसानों को धान बेचने में बेहद सहूलियतें प्रदान की हैं। समर्थन मूल्य के साथ ही आदान सहायता राशि भी मिलती है, जिससे प्रदेश के किसानों को देश में सबसे अधिक लाभ मिलता है।

धान उपार्जन केंद्र सिरमिना के प्रभारी प्रबंधक आनंद कौशिक ने बताया कि उनके केंद्र में 1783 किसान पंजीकृत हैं। यहाँ किसानों के लिए पानी, शौचालय और छांव की समुचित व्यवस्था है। किसी को कोई असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाता है।

केंद्र में माइक्रो एटीएम की भी सुविधा उपलब्ध है, जिससे किसान तुरंत और आसानी से राशि निकाल सकते हैं। आगामी खरीदी सत्र 2025-26 के लिए 50 हजार बारदाना भी उपलब्ध रखे गए हैं, ताकि किसी तरह की कमी न हो। कठिन परिस्थितियों में मेहनत करने वाले किसान समुद्र राम कुर्मी जैसे कृषक अपने संकल्प, परिवार के सहयोग और सरकार की सुविधाओं से न केवल फसल उगाने में सफल हो रहे हैं, बल्कि सम्मानजनक मूल्य भी प्राप्त कर रहे हैं।

किसान अमृत लाल ताम्रकार - मेहनत, उम्मीद और अच्छी फसल की मिसाल

कोरबा । जिले के पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सिरमिना के मेहनतकश किसान अमृत लाल ताम्रकार 10 एकड़ भूमि में धान की खेती करते हैं। पिछले वर्ष उन्होंने 200 क्विंटल धान उपार्जन केंद्र सिरमिना में बेचा था, और इस वर्ष भी लगभग उतनी ही उपज की उम्मीद कर रहे हैं।

अमृत लाल बताते हैं कि इस बार क्षेत्र में अच्छी बारिश होने के कारण, सिंचाई सुविधाओं के अभाव के बावजूद फसल बहुत बेहतर आई है। उन्होंने कहा कि धान को समर्थन मूल्य पर बेचने के बाद छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मिलने वाली आदान सहायता और कृषक उन्नति योजना से प्राप्त राशि उनके लिए बहुत उपयोगी साबित होती है। विगत वर्ष उन्हें अंतर राशि का भी लाभ मिला। धान विक्रय से प्राप्त आय का उपयोग कर उन्होंने अपने घर की मरम्मत करवाई, जिससे परिवार की जीवन-स्तर में सुधार हुआ। अमृत लाल उपार्जन केंद्र सिरमिना की सुविधाओं की भी सराहना करते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए वहां पेयजल, शौचालय, छाया आदि की उचित व्यवस्था रहती है, जिससे धान विक्रय की प्रक्रिया सहज और सुगम बनती है।

अमृत लाल ताम्रकार की यह कहानी बताती है कि अच्छी बारिश, कड़ी मेहनत और सरकारी योजनाओं का लाभ मिलकर किसान के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सकते हैं। यह सफलता न सिर्फ उनकी मेहनत का परिणाम है, बल्कि ग्रामीण कृषि व्यवस्था की प्रगति का भी सुंदर उदाहरण है।

26 नवम्बर को व्यापक स्तर पर मनाया जाएगा संविधान दिवस

विविध गतिविधियों का होगा आयोजन

कोरबा । कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार 26 नवम्बर को भारत कासंविधान अपनाए जाने के स्मरणोत्सव स्वरूप जिले में व्यापक स्तर पर संविधान दिवस मनाने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान' विषय पर पूरे वर्ष विशेष उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसहेतु कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को संविधान दिवस मनाने के सम्बंध में विशेष निर्देश जारी किए है। जिसके अंतर्गत जिला स्तर पर जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में 22भाषाओं में सामूहिक प्रस्तावना का वाचन किया जाएगा। साथ ही प्रदर्शनी वेबसाइट के डाउनलोड सेक्शन पर उपलब्ध) का आयोजन,ऑनलाईन संविधान दिवस क्विज में हिस्सा लेना जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।कलेक्टर ने जिला हेडक्वार्टर, तहसील, पंचायत और गांवो में बड़े पैमाने पर प्रस्तावना पाठ करसभी वीडियों, कंपन वेबसाईट पर अपलोड करने के निर्देश दिए है। प्रस्तावना पढ़ने और अपलोड करने की सुविधा कई भाषा में आनलाईन उपलब्ध है। राज्य के नागरिकों को अकेले या साथ मिलकर प्रस्तावना पढ़ने और कैंपेन वेबसाइट पर विडियों अपलोड किया जाएगा।बड़े पैमाने पर प्रस्तावना पढ़ने के साथ-साथ शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किए जाएंगे। भाषाओं में डिजिटल तरीके से शपथ लेने का समारोह आयोजित कर उक्त आयोजन में सभी को सम्मिलित होने हेतु प्रोत्साहित किए जाएंगे।राज्य के स्कूल और कॉलेज में भारत के संविधान को समर्पित खास असेंबली का आयोजन करने निर्देशित किया है। प्रस्तावना की वॉल आर्ट स्कूलों, पंचायतों, सहकारी, ऑफिस और अन्य पब्लिक जगहों पर बनाई जाएं। प्रस्तावना के बॉर्डर डिजाइन की ओपन फाईलसे डाउनलोड की जा सकती है। कैंपेन के लिए प्रदर्शनी, फिल्मी, लोगों तथा अन्य सामग्री वेबसाइट पर उपलब्ध है।

कटघोरा क्षेत्र में संयुक्त दल की कार्रवाई, 90 क्विंटल अवैध धान जप्त

कोरबा। कोरबा कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देशानुसार तथा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री तन्मय खन्ना (आईएएस) के मार्गदर्शन में 24 नवम्बर 2025 को कटघोरा क्षेत्र में अवैध धान भंडारण पर सख्त कार्रवाई की गई। तहसीलदार कटघोरा श्री सूर्यप्रकाश केशकर, खाद्य निरीक्षक श्री सुरेन्द्र लांझी, तथा कृषि उपज मंडी समिति कटघोरा के सहायक ग्रेड-2 श्री राजेश झारिया से गठित संयुक्त जांच दल ने विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं गोदामों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कटघोरा, छिर्रा एवं पुरानी बस्ती क्षेत्र में कई व्यापारियों के दुकान सह गोदामों में अवैध रूप से भंडारित धान पाया गया। जांच दल द्वारा नियमों के तहत धान को जप्त कर मंडी अधिनियम के प्रावधानों अनुसार आगे की कार्रवाई की गई तथा जप्त धान को विधिवत सुपुर्दगी में दिया गया।

जांच के दौरान कटघोरा क्षेत्र के व्यापारी दिलीप कुमार अग्रवाल के पास 16.80 क्विंटल, दुर्गा प्रसाद अग्रवाल के पास 11.20 क्विंटल, छिर्रा के भागवत प्रसाद जायसवाल के पास 16 क्विंटल तथा कटघोरा की पुरानी बस्ती के यतीश जायसवाल के पास 46 क्विंटल धान अवैध रूप से संग्रहित पाया गया।

कुल 90 क्विंटल धान जप्त किया गया।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समर्थन मूल्य व्यवस्था को सुचारू एवं पारदर्शी बनाए रखने के लिए अवैध भंडारण तथा अनियमितताओं के विरुद्ध ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। प्रशासन ने व्यापारियों एवं नागरिकों से नियमों का पालन करने एवं किसी भी प्रकार की अनियमितता की सूचना तत्काल उपलब्ध कराने की अपील की है।

नगर निगम आयुक्त व एसडीएम ने एसआईआर की गतिविधियों का किया निरीक्षण

कोरबा । भारत सरकार एवं निर्वाचन आयोग के द्वारा देश व प्रदेश में चलाए जा रहे एसआईआर के माध्यम से मतदाताओं का भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है, इसके परिप्रेक्ष्य में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत के दिशा-निर्देश पर निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय व एसडीएम सरोज महिलांगे ने नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र स्थित कोरबा जोनांतर्गत सीतामणी क्षेत्र के विभिन्न वार्डो के मतदान केन्द्रों 219, 156 में पहुंचकर एसआईआर गतिविधियों में लगे बीएलओ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिनों व उपस्थित मतदाताओं से संपर्क कर कार्यो के संबंध में आवश्यक जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने एसआईआर फार्म में किसी प्रकार की कठिनाई आने पर बूथ केन्द्र में लगे बीएलओ व उनके सुपरवाईजर से संपर्क कर अपना एसआईआर फार्म में आवश्यकतानुसार जानकारी व आवश्यक डाटा संबंधित को उपलब्ध करावें, ताकि एसआईआर फार्म भरने में त्रुटिरहित कार्यो का संपादन कराया जा सके। उन्होने मतदाताओं से आगे कहा कि यह राष्ट्रीयहित कार्य है, अत: आप सभी लोग एसआईआर की जानकारी को सही रूप से भरकर अपना फार्म बीएलओ व बूथ केन्द्र में जमा करा सकते हैं और आप अपने जान पहचान व आसपास पडोस लोगों को भी इस हेतु प्रेरित करें।

उन्होने कहा कि जिसमें गणना पत्रक (एन्यूमरेशन फॉर्म) भरने, डिजिटाइज करने की अवधि 04 नवंबर से 04 दिसंबर तक किया जाना है। एसआईआर का फार्म समय पर जमा करना, डिजिटाइजेशन समय पर करना, जिन मतदाताओं का मतदाता सूची 2003 में स्वयं का या उनके माता-पिता का नाम होने पर किसी प्रकार की दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है, यदि 2003 में निर्वाचन नामावली में स्वयं या माता-पिता के नाम नहीं होने पर 11 प्रकार के दस्तावेजों में से किसी एक का होना अनिवार्य किया गया है, इनमें से आवश्यक दस्तावेज- 1. नियमित कर्मचारी पेंशनभोगी को केन्द्र/राज्य सरकार, सार्वजनिक उपक्रम द्वारा जारी पहचान पत्र या पेंशन भुगतान आदेश, 2. 01 जुलाई 1987 से पूर्व भारत में किसी भी सरकारी, स्थानीय निकाय, बैंक, डाकघर, एलआईसी, पीएसयू द्वारा जारी पहचान पत्र या प्रमाण पत्र के दस्तावेज, 3. सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाणपत्र, 4. पासपोर्ट, 5. मैट्रिकुलेशन या शैक्षणिक प्रमाणपत्र (मान्यता प्राप्त बोर्ड, विश्वविद्यालय द्वारा जारी), 6. स्थायी निवास प्रमाणपत्र (सक्षम राज्य प्राधिकारी द्वारा जारी), 7. वन अधिकार प्रमाणपत्र (थ्वतमेज त्पहीज ब्मतजपपिबंजम), 8. जाति प्रमाणपत्र (सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी), 9. राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर जहाँ लागू हो, 10. परिवार रजिस्टर (राज्य, स्थानीय प्राधिकरण द्वारा तैयार), 11. सरकार द्वारा जारी भूमि, मकान आवंटन प्रमाणपत्र, एसआईआर फार्म भरने हेतु नवीन फोटो की आवश्यकता नहीं है, जो पूर्व में है उससे अपडेट किया जाएगा यदि कोई नवीन फोटो देता है तो स्वीकार्य किया जाएगा।

भ्रमण के दौरान उपायुक्त की नीरज कौशिक, जोन कमिश्नर विनोद शांडिल्य, सहायक अभियंता पीयूष राजपूत, उप अभियंता विनोद गोंड़ सहित बीएलओ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिनों आदि उपस्थित थे।

6 से अधिक ग्रामवासी अधिक दूरी तय कर कटघोरा से घूमकर जाने को हैं मजबूर

कोरबा। कोरबा-पश्चिम खोलार नदी पर बगदेवा के पास नया पुल नहीं बनने से 6 से अधिक ग्रामो के लोगों को कटघोरा घूमकर जाना पड़ रहा है। बगदेवा बस्ती के पास खोलार नदी पर पुल जर्जर होने के बाद दोनों छोर पर गड्ढा कर रास्ते पर आवाजाही को बंद कर दिया गया है। ग्राम पंचायत राल, डोंगरी, तिलवारी, डोकरीखार, बसंतपुर, मांगामार सहित आसपास ग्राम के ग्रामीणों को कटघोरा की ओर आवाजाही करने अधिक दूरी तय करनी पड़ती है। जानकारी के अनुसार प्रभावित ग्राम के ग्रामीण अब ग्राम मोहनपुर से होते हुए ग्राम सुतर्रा के रास्ते से कटघोरा पहुंचते हैं। इससे कटघोरा जाने लगभग 6 किलोमीटर अधिक दूरी तय करते हैं। बगदेवा बस्ती के पास नए पुल का निर्माण नहीं कराया गया है। लगभग 11 साल पहले खोलार नदी पर निर्मित पुल 4 साल से जर्जर अवस्था में होने पर आवाजाही बंद कर दिया गया है, तब से ग्रामीण कटघोरा की ओर आवाजाही के लिए सुतर्रा मार्ग का उपयोग कर रहे हैं। नया पुल बनने और सड़क की मरम्मत से आवाजाही में ग्रामीणों को राहत मिल पाएगी

सुबोध सिंह को पितृशोक

कोरबा । कोरबा अंचल आर.पी. नगर निवासी रिटायर्ड एसईसीएल कर्मी कामता प्रसाद सिंह (80) का 24 नवंबर 2025 को निधन हो गया है। वे जिला ट्रक ट्रेलर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुबोध सिंह के पिता थे।

शांत, सहज, सरल, मृदभासी, धार्मिक प्रवित्ति के कामता प्रसाद सिंह के निधन की खबर से परिजन, मित्र और रिश्तेदारों सहित कोरबा अंचल में शोक की लहर है।

वरिष्ठ शिक्षकों का स्नेह सम्मेलन पी.एम. सेजेस बालको में हुआ संपन्न

कोरबा । पी.एम. श्री सेजेस बालको नगर में बड़े हर्ष और उल्लास के साथ वरिष्ठ शिक्षकों का स्नेह सम्मेलन आयोजित किया गया। इस विशेष आयोजन में वे सभी शिक्षक शामिल हुए जिन्होंने वर्ष 1995 से शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय सेवाएं दी हैं। कार्यक्रम में देश-विदेश से आए शिक्षकों की उपस्थिति को कोरबा जिले के लिए गौरवपूर्ण पल माना गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथि शिक्षकों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर की गई। इसके पश्चात प्राचार्य श्री पाल ने सभी वरिष्ठ अतिथि शिक्षकों का पुष्पगुच्छ भेंटकर हार्दिक स्वागत किया। उनके द्वारा शाल, श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर अतिथियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित शिक्षकों में मधुलिका गीर (भूतपूर्व भूगोल व्याख्याता, कोरबा), डॉ. चंद्रावती नागेश्वर (भूतपूर्व व्यायाम शिक्षिका, कैलिफोर्निया), उमा दवे (प्रधान पाठिका, कोरबा), कौशल प्रसाद मनहर (भूतपूर्व सहायक संचालक शिक्षा, जिला कोरबा), दिनेश कुमार कौशिक (उप संचालक समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़ शासन), आदि सम्मिलित रहे। इनके साथ ही उमा चटर्जी (भूतपूर्व इतिहास व्याख्याता), प्यारेलाल चौधरी (भूतपूर्व जिला क्रीड़ा अधिकारी), नायडू (भूतपूर्व उच्च श्रेणी शिक्षिका), राजेश कुमार पसीने (सहायक प्राध्यापक, डायट कोरबा), मेरखा आलो एक्का (सहायक प्राध्यापक, डायट कोरबा), पुरनचंद पटेल (सहायक प्राध्यापक, डायट कोरबा), मजनू तिर्की (पूर्व प्राचार्य, पंतोरा), गीता हलधर (भूतपूर्व प्राचार्य, बिलासपुर), डॉ. कृष्ण कुमार चंद्र (प्रधान पाठक, गतवा जांजगीर), अयोध्या प्रसाद त्रिवेदी (भूतपूर्व वरिष्ठ लिपिक, जमनीपाली), पुरुषोत्तम प्रसाद कौशिक (प्राचार्य, पंतोरा), विनीता दास (प्राचार्य, कोरबा), राम हरि शराफ (प्राचार्य, डायट कोरबा), एम.पी. सिंह (प्राचार्य), प्रबिला टोप्पो (प्राचार्य, तखतपुर), धीरज अवस्थी (बिलासपुर), गौरव शर्मा (प्राचार्य, प्रयास कोरबा), संगीता मसीह (भूतपूर्व उच्च श्रेणी शिक्षिका, सराईपाली बसना), निशा सोनी (भूतपूर्व प्रधान पाठिका, बालको), नूरजहां कुर्रे (प्रधान पाठिका, जामबाहर कोरबा), शिव शंकर मिश्रा (वरिष्ठ लिपिक, बालको नगर), प्रेम कुमारी तिवारी (प्रधान पाठिका, बेलाकछार), मनोज कुमार पटेल (व्याख्याता, तरदा), कंचन यादव (व्याख्याता, राजगामार)सहित कुल 40 अतिथि शिक्षक इस सम्मेलन में उपस्थित रहे। अतिथियों के स्वागत में विद्यालय के शिक्षक घनश्याम श्रीवास के निर्देशन में स्वागत गीत और सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई, जिसमें सीमा स्वर्णकार, काजल सिंहा, तनु प्रिया देवांगन, अनीता राठौर और नम्रता कश्यप ने सहयोग दिया। विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समस्त दर्शकों का मन मोह लिया। अतिथि शिक्षकों ने इस दिव्य और उत्कृष्ट आयोजन की सराहना करी और विद्यालय की प्रगति को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। 1972 में स्थापित यह विद्यालय आज छत्तीसगढ़ राज्य के अग्रणी संस्थानों में अपनी पहचान बना चुका है प्राचार्य मनोकामनाता पाल ने सभी अतिथियों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि राज्य में पहली बार किसी प्राचार्य द्वारा

दुर्घटना राहत वैन पेंट कर रहे 2 कर्मी ओएचई के करंट से झुलसे

कोरबा । कोरबा रेलवे स्टेशन के यार्ड में दुर्घटना राहत वैन पर चढ़कर पैंट कर रहे दो कर्मचारी ओएचई (ओव्हर हेड ईक्यूपमेंट) की चपेट में आकर बुरी तरह से झुलस गए। पेंट करने का काम लोकल पेटी ठेकेदार की ओर से इन दो कर्मचारियों को दिया गया था। हादसे के बाद आनन-फानन में दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। रेलवे के सी एंड डब्ल्यू विभाग की ओर से राहत वैन को पेंट कराने का काम एक सप्ताह से चल रहा था। विभाग की ओर से लोकल पेटी ठेकेदार को दिया गया है। उक्त ठेकेदार ने स्टेशन के पास बस्ती में रहने वाले युवको को यह काम सौंपा था। बताया जा रहा हैं की शाम लगभग 4 बजे दोनों हादसे का शिकार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद सी एंड डब्ल्यू के इंचार्ज एसएसई (सीनियर सेक्शन इंजीनियर), आरपीएफ और रेलवे कर्मचारियों की मदद से दोनों को जिला अस्पताल के बर्न यूनिट में भर्ती कराया गया है। दोनों झुलसे मजदूरों को अस्पताल ले जाने के लिए एम्बुलेंस तक की व्यवस्था नहीं हो पाई। जबकि रेलवे अस्पताल में एक नई एम्बुलेंस उपलब्ध है। एम्बुलेंस नहीं मिलने पर दोनों मजदूरों को क्रू मेंबर को लाने ले जाने के लिए अनुबंधित जीप से अस्पताल पहुंचाया गया। झुलसे लोगों में में एक कर्मी की स्थिति खतरे से बाहर बतायी जा रही है।यार्ड के समीप ड्यूटी कर रहे कर्मचारी ने बताया कि दोनों मजदूर चाचा-भतीजा हैं। दोनों इतनी बुरी तरह झुलस गए हैं कि बचने संभावना कम ही है। मुंह से लेकर पेट तक जल गया है।

कटघोरा पुलिस ने नगर पालिका सीएमओ को थमाया नोटिस

कोरबा । कटघोरा क्षेत्र में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए कटघोरा पुलिस ने नगर पालिका के मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) को नोटिस जारी किया है। पुलिस का कहना है कि नगर के मुख्य मार्गों पर बने डिवाइडरों के बीच उचित सांकेतक बोर्ड न होने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। जारी नोटिस में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि जल्द ही डिवाइडरों पर संकेतक बोर्ड नहीं लगाए गए और भविष्य में कोई सड़क हादसा होता है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी नगर पालिका प्रशासन सहित विशेषकर सीएमओ की होगी। पुलिस ने जानकारी देते हुए आगे बताया कि रात के समय कई स्थानों पर डिवाइडर दिखाई नहीं देते, जिसके कारण वाहन चालकों का संतुलन बिगड़ता है और हादसे की आशंका बढ़ जाती है। नगरवासियों की शिकायतों और हाल ही में बढ़े दुर्घटनाओं के मामलों को ध्यान में रखते हुए यह

हवलदार ने मांगे रुपए, लाइन अटैच

जांजगीर। चालान पेश करने के एवज में रुपए की मांग करने की शिकायत पर पुलिस अधीक्षक ने प्रधान आरक्षक अनिल सिंह अजगल्ले के विरुद्ध कार्रवाई की है।

पीड़ित महिला ने आरोप लगाया था कि उसके साथ हुई मारपीट के मामले में न्यायालय में चालान पेश करने के लिए प्रधान आरक्षक ने उससे पैसे की मांग की। शिकायत में यह भी उल्लेख था कि रुपए न देने पर वह चालान में स्कूटनी निकलवाकर न्यायालय में पेश नहीं करेगा। पीड़ित की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने तत्काल प्रभाव से प्रधान आरक्षक अनिल सिंह अजगल्ले को थाना बिर्रा से हटाकर लाइन हाजिर कर दिया है। साथ ही उनके विरुद्ध प्राथमिक जांच की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

दिन पहले भी जिले में हार्वेस्टर ड्राइवर से अवैध रुपए वसूली करने का मामला सामने आया था। इसपर भी एसपी ने कार्रवाई की थी।

कांस्टेबल राजू लठेवाल को लाइन अटैच कर दिया। उन पर हार्वेस्टर ड्राइवर से 1700 रुपए वसूली के आरोप लगे थे। कांस्टेबल ने एक अन्य व्यक्ति के फोन पे के माध्यम से पैसे खाते में डलवाए और फिर उससे कैश ले लिए। इस वसूली के लिए कोई चालानी पर्ची भी नहीं दी गई।

रबी फसल की सिंचाई करने किसानों को पानी की चाह

मालखरौदा। किसानों ने धान की कटाई शुरू कर दी है, लेकिन अब वे यह जानने चिंतित हैं कि उनके क्षेत्र में रबी फसल के लिए पानी दिया जाएगा या नहीं। किसानों ने बताया कि जिला प्रशासन से किसी तरह का स्पष्ट संकेत नहीं मिला है। आगे कहा पड़ोसी जांजगीर-चांपा जिले में रवि फसल के लिए पानी देने की संभावना लगभग तय हो गई है। इसलिए उनकी क्षेत्र के किसानों के हित में जिला कलेक्टर शक्ति को जल्द सार्थक निर्णय लेना चाहिए। ग्राम बड़े सीपत के कृषक अमृतलाल साहू ने बताया कि पिछले वर्ष नहर से पानी मिला था, लेकिन बीच-बीच में निर्माण कार्य के कारण पानी बंद कर दिया गया था।

सड़क तक व्यापारी सजा रहे दुकानें, जाम

सक्ती। नगर के हृदय स्थल माने जाने वाले कचहरी चौक में लोगों को ट्रैफिक जाम की समस्या से लगातार परेशानी हो रही है। ट्रैफिक व्यवस्था संभालने वाला कार्यालय भी इसी चौक पर स्थित है, वहीं नगर के मुख्य कार्यालय भी इसके आसपास हैं। बावजूद इसके ट्रैफिक की स्थिति बिगड़ती जा रही है और प्रशासन का ध्यान इस ओर नहीं जा रहा है। विशेषज्ञ और आम नागरिक बताते हैं कि ट्रैफिक जाम के पीछे कई कारण हैं। नो एंट्री के दौरान भारी वाहनों का नगर के भीतर प्रवेश करना, सड़क पर दुकानों का कब्जा और दुकानों की छतरियों का सड़क तक फैलना प्रमुख कारण हैं।

फल और अन्य दुकानों की छतरियां सड़क तक पहुंच चुकी हैं, जिससे आने-जाने वाले वाहनों के लिए मुश्किलें बढ़ गई हैं। लोगों का कहना है कि दुकानों के पास ग्राहक अपने वाहन सड़क पर ही खड़े कर देते हैं, जिससे पीछे आने-जाने वाले वाहन प्रभावित होते हैं। कभी-कभी बड़ी चार-पहिया वाहन भी खरीदारी के दौरान सड़क पर रोक दिए जाते हैं, जिससे ट्रैफिक और जाम बढ़ता है। कचहरी चौक नगर के सभी प्रमुख मार्गों स्टेशन, झूल कदम, गौरव पथ, बाराद्वार और खरसिया को जोड़ता है। स्कूल और कॉलेज जाने वाले विद्यार्थी भी इसी चौक से गुजरते हैं, जिसके कारण यहां दबाव और बढ़ जाता है।

खोखसा ओवरब्रिज की सड़क पर जगह-जगह गड्ढे, राहगीर परेशान

जांजगीर। जिला मुख्यालय के खोखसा से चांपा जाने वाली ओवरब्रिज हालत इन दिनों बेहद खराब हो चुकी है। ओवरब्रिज में शुरूआत से ही राहगीरों को गड्ढों से होकर गुजरना पड़ता है। जिसके कारण सड़क में बने गड्ढों ने राहगीरों और वाहन चालकों की परेशानी बढ़ा दी है। रोज़ाना हजारों लोग इस मार्ग से गुजरते हैं, लेकिन सड़क की खराब हालत उनके लिए मुसीबत का कारण बन रही है। ओवरब्रिज के दोनों ओर सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बन चुके हैं। चलते वाहन अचानक गड्ढों में फंस जाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

धान खरीदी शुरू, किसानों ने बेचा 225 क्विंटल धान

अकलतरा। धान खरीदी केंद्र पकरिया में सेवा सहकारी समिति अध्यक्ष विनोद निर्मलकर एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के ब्लॉक अधिकारी अमर राठौर की उपस्थिति में किसानों की धान का तौल कर धान खरीदी का शुभारंभ किया गया। खरीदी केंद्र में किसान सौमित्र सिंह सेंगर के 178 क्विंटल एवं हर्षवर्धन सिंह सेंगर के 47 क्विंटल धान का तौल किया गया। धान बेचने वाले किसानों का तिलक लगाकर सम्मान किया गया। विनोद निर्मलकर ने कहा कि राज्य शासन द्वारा किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी की जा रही है। कार्यक्रम में धान खरीदी प्रभारी लव सिंह, कंप्यूटर ऑपरेटर भावना सिंह, सुरेश सिंह, लक्की सिंह, छोटन सिंह, यशवंत सिंह, राजू शर्मा, राजू निर्मलकर, अमृत, लछु उपस्थित रहे।

चित्रोत्पला गंगा के तट पर बसा है यह शिवरीनारायण

शिवरीनारायण। शिवरीनारायण मठ महोत्सव में सप्तम दिवस के अवसर पर अनंत श्री विभूषित श्री स्वामी मधुसूदनाचार्य जी महाराज ने श्रोताओं के समक्ष महत्वपूर्ण धार्मिक और सामाजिक उपदेश दिए। उन्होंने कहा कि यह पहला तीर्थ है जहां बंदर नहीं हैं। वृंदावन के बंदर चश्मा और मोबाइल ले जाते हैं, जबकि अयोध्या के बंदर शांत और सीधे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अयोध्या में लोग बंदरों के साथ नहीं रहते, बल्कि बंदरों के साथ रहते हैं।

स्वामी जी ने नदी स्नान के समय दो वस्त्र रखने और निचोड़ने से बचने की परंपरा के महत्व पर जोर दिया। माताओं के लिए स्नान के समय तीन वस्त्र रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बेटा यदि अच्छा हो तो एक कुल पवित्र होता है, और यदि बेटी अच्छी हो तो दो कुल पवित्र हो जाते हैं। गुरु और कर्म की प्रधानता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि भोजन बनाते समय भगवान के चरित्र का स्मरण करने से भोजन अमृत बन जाता है। मठ में भंडारे की व्यवस्था देखकर जगन्नाथ पुरी की याद आई। स्वामी जी ने कहा कि भगवान भक्ति के बंधन में बंधते हैं और वही पकड़ में आते हैं जब स्वयं पकड़वाना चाहें।

शिवरीनारायण मठ महोत्सव में दोपहर के समय भारी भीड़ उमड़ी। समारोह में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश, नीलेंद्र बहादुर सिंह, आरएसएस के छत्तीसगढ़ प्रभारी टोप लाल वर्मा, पीआईएल कारखाना प्रबंधक पारीख, पंडित दिनेश शर्मा, राघवेंद्र प्रताप सिंह, और अन्य उपस्थित रहे। मठ में आगामी 25 नवंबर को मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पंचमी के अवसर पर सुबह श्रीमद् भागवत कथा का अनवरत आयोजन होगा। शाम को सीताराम विवाह महोत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाएगा।

नहरिया बाबा रोड में भारी वाहनों को रोकने लगाया था लोहे का एंगल, टूटा

जांजगीर। शहर के नहरिया बाबा मार्ग में भारी वाहनों पर प्रतिबंध लगाने के लिए लाखों रुपए खर्च कर लोहे का एंगल लगाए गए थे। लेकिन यह एंगल केवल कुछ ही दिनों तक ही टिक पाया। कई जगहों की एंगल टूटकर के जमीन में गिरा गया है। नहरिया बाबा जाने वाला सड़क किनारे बड़ा नहर है। जिसके कारण पर भारी वाहन चलने की घटनाएं होती रहती हैं। भारी वाहनों के लगातार प्रवेश के कारण, प्रवेश बंद करने के लिए लगाया गया लोहे का एंगल टूटकर गिर गया है। वाहनों का दबाव इस कदर बढ़ा है कि सुरक्षा के लिए लगाए गए मजबूत ढाँचे भी टिक नहीं पा रहे। इससे स्थानीय लोगों में डर का माहौल है, क्योंकि ऐसे वाहन पैदल चलने वालों और छोटे वाहनों के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं।

ट्रैफिक सिग्नल जंप किया तो अब होगी कार्रवाई, अपडेट के साथ टाइमर लग रहा

जांजगीर। शहर के मुख्य चौराहों पर ट्रैफिक कंट्रोल के लिए लगाई गई सिग्नल लाइटें, जो पिछले कई सालों से बंद पड़ी थीं, अब चालू कर दी गई हैं। सिग्नलों को अपडेट भी किया जा रहा है और कई जगहों पर टाइमर लगाए जा रहे हैं, ताकि ट्रैफिक नियंत्रण में सुधार हो और वाहनों की भीड़ को सुचारू रूप से नियंत्रित किया जा सके।

सबसे पहले नेताजी चौक में लगे सिग्नल को चालू किया जाएगा, जो शहर के व्यस्ततम मार्गों में से एक है। इसके अलावा कुछ अन्य स्थानों पर लगे ब्लिंकर लाइटों को भी सक्रिय किया जाएगा, जिससे रात में शहर में विजिबिलिटी बढ़ेगी और दुर्घटना की संभावनाएं कम होंगी। पुलिस ने चेतावनी दी है कि अब ट्रैफिक सिग्नल जंप करने पर वाहन चालकों और अन्य लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथी नेता चौक व कचहरी चौक के पास पैदल यात्रियों के लिए जेब्रा क्रॉसिंग बनाया गया है।

बकरी शेड निर्माण कार्य से ग्रामीण महेत्तर लाल की आजीविका को मिला नया आधार

जांजगीर-चांपा। जब मेहनत को अवसर मिलता है, तो सपने हकीकत बन जाते हैं ग्राम साजापाली के शांत गलियारों में, जब महेत्तर लाल बरेठ की आँखों में उम्मीद की रोशनी जगी, तब मनरेगा की योजना ने उस उम्मीद को हकीकत में बदल दिया। कभी बारिश और धूप में अपने पशुओं को खुले आसमान के नीचे संभालने वाला किसान, आज उसी जगह पर एक मजबूत बकरी शेड का स्वामी है, जहाँ उसकी आजीविका, उसका सम्मान और उसका भविष्य सुरक्षित है। यह केवल एक निर्माण कार्य नहीं बल्कि आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत के सपने को आकार देने वाली एक सजीव कहानी है। मनरेगा योजना ने न केवल रोजगार दिया, बल्कि आत्मविश्वास की वो नींव रखी, जिस पर अब ग्रामीण विकास की नई इमारत खड़ी हो रही है।

मनरेगा योजना के तहत ग्राम पंचायत साजापाली में हितग्राही श्री महेत्तर लाल के आजीविका संवर्धन हेतु बकरी शेड निर्माण कार्य कराया गया। इस कार्य का उद्देश्य पशुपालन के माध्यम से ग्रामीणों की आय बढ़ाना और आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त कदम उठाना था। यह कार्य वित्तीय वर्ष 2023-24 में स्वीकृत हुआ, जिसकी

कुल स्वीकृत राशि 0.88 लाख थी, जिसमें से 0.11 लाख मजदूरी एवं 0.77 लाख सामग्री मद के रूप में स्वीकृत किया गया। कार्य का प्रारंभ जनवरी 2024 को हुआ और नवम्बर 2024 को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। कार्य के क्रियान्वयन से कुल 42 मानव दिवस सृजित हुए, जिससे स्थानीय मजदूरों को रोजगार का अवसर मिला। ग्राम पंचायत साजापाली की जनसंख्या लगभग 940 है तथा 567 परिवार जॉब कार्ड धारक हैं। यह पंचायत जनपद अकलतरा से मात्र 7 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

हितग्राही महेत्तर लाल बरेठ ने बताया कि बकरी शेड निर्माण कार्य से पहले पशुपालन में कई कठिनाइयां थीं। बरसात और ठंड के मौसम में बकरियों के लिए आश्रय की कमी रहती थी। अब पक्का शेड बन जाने से पशुओं को सुरक्षित ठिकाना मिला है, जिससे दूध और खाद उत्पादन में वृद्धि हुई है। हमारी आमदनी अब दोगुनी हो रही है। इस कार्य से न केवल हितग्राही को स्थायी आजीविका का साधन प्राप्त हुआ, बल्कि अन्य ग्रामीणों के लिए भी यह प्रेरणादायक उदाहरण बन गया है। बकरी शेड निर्माण कार्य ने पशुपालन को नया आधार दिया है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है और हितग्राही आत्मनिर्भर बन रहा है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत बकरी शेड निर्माण कार्य ने यह सिद्ध किया है कि यदि योजनाओं का सही क्रियान्वयन हो, तो ग्रामीण आजीविका को नई दिशा दी जा सकती है। यह कार्य ग्राम पंचायत साजापाली द्वारा स्थानीय भागीदारी और प्रशासनिक सहयोग से समय पर पूर्ण किया गया, जो ग्रामीण विकास के लिए एक उत्कृष्ट उदाहरण है। मनरेगा योजना के तहत बकरी शेड निर्माण कार्य से ग्रामीण परिवारों में आत्मनिर्भरता की नई रोशनी जगी है। यह कार्य ग्रामीण विकास और आजीविका सशक्तिकरण का प्रेरक उदाहरण बन गया है।

श्रीमद् देवी भागवत कथा कलश यात्रा के साथ शुरू

बाराद्वार। नौ दिवसीय श्रीमद देवी भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन 23 नवंबर से 1 दिसंबर तक स्थानीय रायगढ राइस मिल परिसर में किया गया है, जिसका आगाज 23 नवंबर को कलश शोभायात्रा के साथ हुआ।रविवार की सुबह 10 बजे आकर्षक रथ सजाकर, बैण्ड व कर्मा नृत्य के साथ गुलाब मंदिर से कलश यात्रा धूमधाम से निकाली गई। कलश यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करने के बाद कथा स्थल पहुंचकर संपन्न हुई, जिसके बाद वेदी पूजन कराते हुए देवी पाठ किया गया। कलश यात्रा में जिंदल परिवार सहित नगर एवं आसपास के भक्त व महिलाएं बडी संख्या में शामिल थे।

हेतराम अग्रवाल परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के ब्यासपीठ से नागपुर के पंडित नंदकिशोर पाण्डेय के द्वारा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक अपनी कर्णप्रिय आवाज में श्रद्धालुओं को भागवत कथा सुनायेंगे। पहले दिन की कथा में पंडित नंदकिशोर पाण्डेय ने भक्तों को देवी भागवत महात्म्य की कथा सुनाई, जिसमें बाराद्वार नगर सहित आसपास के कथा सुनने पहुंचे थे। श्रीमद देवी भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ के आयोजन के लिए बाराद्वार के रायगढ राइस मील परिसर में विशाल वॉटर प्रूफ डोम पंडाल का निर्माण कराया गया है। इसके अलावा ब्यासपीठ सहित पूरे पंडाल को रायगढ़ पांचाल के कलाकारों ने आकर्षक ढंग से सजाया है।

*जांजगीर।** उत्तर से आ रही हवा का असर कम हो गया है। इससे न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। सोमवार को रात का तापमान 16 डिग्री रहा। वहीं अधिकतम तापमान 30 डिग्री पर स्थिर है।

न्यायालय नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी कटघोरा जिला कोरबा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्र./बी-121/2025-26
ग्राम- मड़वाढोढ़ा, प.ह.नं. 46
तहसील-कटघोरा, जिला- कोरबा

एतद् द्वारा आम जनता मौजा मड़वाढ़ोढ़ा प.ह.नं. 46 रा.नि.मं. मड़वाढोढ़ा तहसील कटघोरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक लषनदास पिता सुकलदास जाति पनिका निवासी ग्राम मड़वाढ़ोढ़ा तहसील कटघोरा जिला कोरबा (छ.ग.) द्वारा अपने पुत्र विनयदास का दिनांक 23-09-2025 को स्थान ग्राम मड़वाढ़ोढ़ा तहसील कटघोरा स्थित स्वयं के घर में मृत्यु हो जाने का लेख करते हुए मृत्यु प्रमाण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति हो तो अपना दावा आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 28.11.2025 को न्यायालयीन समय 11:00 बजे उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात किये जाने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 14.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर लगाकर जारी किया गया।

(सील) **नायब तहसीलदार कटघोरा जिला-कोरबा**

कार्यालय जिला बाल संरक्षण अधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला कोरबा (छ.ग.)

दावा-आपत्ति

1. बच्चे का नाम	:-	श्रेया (बालिका)
2. बच्चे का प्राप्ति दिनांक	:-	17.11.2025
3. संस्था	:-	विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण सेवा भारती मातृछाया जिला कोरबा (छ.ग.)
4. रंग	:-	सांवला
5. उम्र	:-	02 माह लगभग

उक्त बालिका दिनांक 17.11.2025 को बाल कल्याण समिति कोरबा के आदेश क्रमांक/986/बा.क.स./2025-26 कोरबा दिनांक 17.11.2025 से अस्थाई संरक्षण हेतु विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण सेवा भारती मातृछाया कोरबा (छ.ग.) में रखा गया है।

सर्व संबंधित को जो कि बालक के वैधानिक पालक/अभिभावक होने का दावा आपत्ति दर्ज कराना चाहते हैं, प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस के भीतर कार्यालय जिला बाल संरक्षण अधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास विभाग, नया जिला परिवहन कार्यालय के पास, तहसील रोड, जिला कोरबा (छ.ग.) अथवा विशेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण सेवाभारती मातृछाया, स्वामी विवेकानंद सदन, कुंआ भट्ठा, बुधवारी बाई पास रोड जिला कोरबा (छ.ग.) में आवेदन दर्ज करा सकते हैं। उक्त समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा तथा दत्तक ग्रहण की कार्यवाही की जावेगी।

यह विज्ञापन मेरे द्वारा जारी किया गया।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी
जिला बाल संरक्षण इकाई (मबावि)
जिला कोरबा (छ.ग.)
जी/252604975/2 **मो.नं.8305078306, 8319250312**

कार्यालय मेसर्स आस्था फ्यूल्स
पचपेड़ी नाका, रायपुर (छत्तीसगढ़)
Email :aasthafuels@gmail.com

निविदा आमंत्रण **दिनांक : ....../......./2025**

आस्था फ्यूल्स, पचपेड़ी नाका, रायपुर द्वारा अनुभवी एवं पात्र ठेकेदारों/संस्थाओं से निम्नलिखित कार्यों हेतु सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है :

क्र.	कार्य का विवरण	कुल अनुमानित लागत	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	साइट डेवेलपमेंट कार्य : सी.सी. रोड (CC Road-Tracks) निर्माण, पेवर ब्लॉक एवं कर्ब स्टोन कार्य, लैंडस्केपिंग एवं बागवानी (Horticulture), ड्रेनेज व्यवस्था, बाउंड्रीवॉल निर्माण, सीवरेज लाइन, बाहरी जल आपूर्ति एवं बोरवेल, सम्प वेल (Sump Well), बाहरी विद्युत कार्य	रु. 1,30,40,605/- (रुपये एक करोड़ तीस लाख चालीस हजार छह सौ पांच मात्र)	निविदा अनुबुध से 6 (छः) माह
2.	भवन निर्माण कार्य : प्लिंथ स्तर तक सिविल कार्य, प्लिंथ के ऊपर सिविल कार्य, आंतरिक विद्युत वायरिंग, आंतरिक जल आपूर्ति एवं सैनिटरी कार्य	रु. 56,85,755/- (रुपये छप्पन लाख पचासी हजार सात सौ पचपन मात्र)	निविदा अनुबंध से 6 (छः) माह

शर्तें एवं पात्रता मापदंड :

1. निविदा बंद लिफाफे में विज्ञापन प्रकाशन की तिथि से 21 दिवस के भीतर जमा करें, जमा करने की अंतिम तिथि -/-/2025 निविदा जमा करने का पता: श्री राधाकृष्ण मंदिर के पास, सदर बाजार, चांपा, जिला जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़.
2. संबंधित कार्यों में पूर्व अनुभव एवं वैध GST प्रमाण पत्र अनिवार्य।
3. प्रत्येक कार्य हेतु अलग-अलग निविदा प्रस्तुत की जानी चाहिए।
4. निविदा केवल तभी खोली जाएगी जब कम से कम तीन या अधिक निविदाएं प्राप्त हों।
5. सबसे कम दर प्राप्त निविदा को ही कार्यादेश किया जाएगा।
6. निविदा संबंधी परिवर्तन और निर्णय का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता संस्था सुरक्षित है।

नोट : कार्य की विस्तृत जानकारी और शर्तें आवश्यकतानुसार संबंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
आस्था फ्यूल्स
कैम्प कार्यालय : सदर बाजार, चांपा
जिला जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निविदा सूचना
दिनांक : 20.11.2025
www.ireps.gov.in
South East Central Railway

न्यायालय तहसीलदार कोरबा जिला- कोरबा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

202511050400018
रा.प्र.क्र.-अ-21(2)/2025-26
ग्राम- कोरबा, प.ह.नं.-16

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भूमिस्वामी/आवेदक महालक्ष्मी बिल्डर्स द्वारा भागीदार हेमंत शर्मा एवं हरीश परसाई निवासी एम.पी.नगर कोरबा तहसील व तहसील व जिला कोरबा द्वारा ग्राम कोरबा प.ह.नं. 16 रा.नि.मं. कोरबा-1 स्थित परिवर्तित भूमि ख.नं. 15001/1 रकबा 0.93 ए. भूमि में से भूखण्ड क्रमांक 16 क्षेत्रफल 1500 वर्गफीट को प्रस्तावित क्रेता श्रीमती रश्मि जैन पति आशीष कुमार जैन निवासी एमआईजी-डी-20 एमपीएचबीआईई भिलाई इंडस्ट्रीयल स्टेट भिलाई दुर्ग के पास आम बाजार मूल्य अनुसार विक्रय करने की अनुमति बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, जो जांच एवं प्रतिवेदन हेतु कलेक्टर महो. कोरबा से अ.वि.अ. (रा.) कोरबा के माध्यम से इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपना दावा/आपत्ति इस न्यायालय में नियत तिथि दिनांक 08.12.2025 तक स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। समयावधि बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

(सील) **तहसीलदार कोरबा (छ.ग.)**

न्यायालय में श्रीमान तहसीलदार महोदय तहसील कोटाडोल जिला एम.सी.बी. (छ.ग.)

क्रमांक/ 391 /तह./वा-1/2025 कोटाडोल
दिनांक 19/11/2025
रा. प्र. क्र. - 20251133/000013/अ -6

सार्वजनिक सूचना (ईश्तहार)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि रंजीत सिंह गोड़ पिता सुखवाल सिंह गोड़ ग्राम मुर्किल तहसील कोटाडोल जिला एम. सी. बी. छ. ग. का होकर ग्राम रीसागाड़ा तहसील कोटाडोल पटवारी हल्का क्रमांक 32 जिला एम.सी.बी. छ. ग. स्थित आराजी खसरा नंबर 18 रकबा 1.580 हे. कुल एक किता भूमि के भूमि स्वामी मनरूप पिता सुखराज चेरवा निवासी ग्राम रीसागाड़ा तहसील कोटाडोल के द्वारा निष्पादित वसीयतनामा दिनांक 24/01/2025 के आधार पर उनकी मृत्यु उपरान्त आवेदक बनकर वसीयतनामा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र मेरे न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

अतः सर्वसाधारण व कोई अन्य व्यक्ति जो स्वर्गीय मनरूप पिता सुखराज चेरवा का निवासी ग्राम रीसागाडा का अपने आपको वारिस उत्तराधिकारी मानकर व किसी प्रकार का कोई हित स्वत्व अधिकार मानता हो वर्णित भूमि के सम्बन्ध में कोई आपत्ति आक्षेप रखता हो, अपना पक्ष रखे।

अतः सर्वसाधारण व कोई अन्य व्यक्ति जो वर्णित आराजी पर अपना हक हित अधिकार मानता हो नियत सुनवाई दिनांक 03/12/2025 को मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर वसीयतनामा नामान्तरण पर यदि कोई आपत्ती हो दर्ज करावें, अन्यथा निष्पादित वसीयतनामा के आधार पर आवेदक रंजीत पिता स्व. सुखलाल के पक्ष में नामांतरण स्वीकार किया जाकर अभिलेख दुरुस्त करा दिया जावेगा। आज दिनांक 01/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया है।

(सील) **तहसीलदार कोटाडोल, जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार कोरबा जिला- कोरबा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

202511050400019
रा.प्र.क्र.-अ-21(2)/2025-26
ग्राम- कोरबा, प.ह.नं.-16

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भूमिस्वामी/आवेदक सृजन बिल्डर्स द्वारा भागीदार हरीश परसाई एवं अशोक अग्रवाल निवासी सर्वमंगला भवन निहारिका रोड कोरबा तहसील व तहसील व जिला कोरबा द्वारा ग्राम कोरबा प.ह.नं. 16 रा.नि.मं. कोरबा-1 स्थित परिवर्तित भूमि ख.नं. 15002/1 रकबा 0.86 ए. भूमि में से भूखण्ड क्रमांक 13 क्षेत्रफल 1639 वर्गफीट भवन को प्रस्तावित क्रेता श्रीमती श्रुति अग्रवाल पति श्री राकेश कुमार जाति अग्रवाल निवासी सी-1 सी-2, 24 एम.पी.नगर वीर सावरकर भवन के पास निहारिका रोड कोरबा के पास आम बाजार मूल्य अनुसार विक्रय करने की अनुमति बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, जो जांच एवं प्रतिवेदन हेतु कलेक्टर महो. कोरबा से अ.वि.अ. (रा.) कोरबा के माध्यम से इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपना दावा/आपत्ति इस न्यायालय में नियत तिथि दिनांक 08.12.2025 तक स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। समयावधि बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

(सील) **तहसीलदार कोरबा (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार कोरबा जिला- कोरबा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

202511050400027
रा.प्र.क्र.-अ-21(2)/2025-26
ग्राम- कोरबा, प.ह.नं.-16

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भूमिस्वामी/आवेदक सृजन बिल्डर्स द्वारा भागीदार अशोक अग्रवाल पिता रसिक बिहारी अग्रवाल निवासी सर्वमंगला भवन निहारिका रोड कोरबा तहसील व तहसील व जिला कोरबा द्वारा ग्राम कोरबा प.ह.नं. 16 रा.नि.मं. कोरबा-1 स्थित परिवर्तित भूमि ख.नं. 497/217 रकबा 7800 वर्गफीट एवं उस पर अधूरा निर्माण 6450 वर्गफीट भवन को प्रस्तावित क्रेतागण अमित अग्रवाल पिता मदनलाल अग्रवाल एवं सुमित कुमार अग्रवाल पिता मदनलाल अग्रवाल दोनों जाति अग्रवाल निवासी मेसर्स गणेश कोल सीतामणी मेन रोड कोरबा के पास आम बाजार मूल्य अनुसार विक्रय करने की अनुमति बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, जो जांच एवं प्रतिवेदन हेतु कलेक्टर महो. कोरबा से अ.वि.अ. (रा.) कोरबा के माध्यम से इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपना दावा/आपत्ति इस न्यायालय में नियत तिथि दिनांक 08.12.2025 तक स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। समयावधि बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

(सील) **तहसीलदार कोरबा (छ.ग.)**

अनमोल वचन......

इस बात से मत डरो कि तुम्हारा जीवन खत्म हो जाएगा, इस बात से डरो कि यह कभी शुरू ही नहीं होगा।

आरक्षण के लाभ से वंचित

पिछले साल दिए एक निर्णय में जस्टिस गवई ने कहा था कि अनुसूचित जाति- जनजातियों के क्रीमी लेयर को आरक्षण के लाभ से वंचित कर देना चाहिए। अब रिटायरमेंट से कुछ ही रोज पहले उन्होंने अपनी ये राय दोहराई है।

प्रधान न्यायाधीश के जस्टिस बी.आर. गवई ने कहा है कि अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण के लाभ से क्रीमी लेयर को वंचित कर दिया जाना चाहिए। ये मांग पुरानी है, लेकिन अब यह दलील भारत के प्रधान न्यायाधीश ने दी है, जो खुद अनुसूचित जाति से आते हैं। इसलिए इस कथन का खास महत्त्व है। एक सेमीनार में जस्टिस गवई ने कहा- 'आरक्षण की सुविधा देते समय आईएएस अधिकारी के बाल-बच्चों को गरीब खेतिहर मजदूर की संतान के साथ समान धरातल पर नहीं रखा जा सकता। अतः जो सिद्धांत ओबीसी के मामले में लागू किया गया, उसे अनुसूचित जातियों के मामले में भी किया जाना चाहिए।'

पिछले साल दिए एक निर्णय में जस्टिस गवई ने कहा था कि राज्यों को अनुसूचित जाति-जनजातियों में क्रीमी लेयर की पहचान की नीति बनानी चाहिए और इन तबकों को आरक्षण के लाभ से वंचित कर देना चाहिए। अब प्रधान न्यायाधीश पद से रिटायरमेंट से कुछ ही रोज पहले उन्होंने अपनी ये राय एक सार्वजनिक भाषण में दोहराई है। आरक्षण समर्थक कुछ समूहों की तरफ से इस पर तीखी प्रतिक्रिया होगी, जैसाकि उपरोक्त न्यायिक निर्णय के समय हुआ था। कहा जाएगा कि आरक्षण गरीबी हटाने का जरिया नहीं, बल्कि यह निर्णय के सर्वोच्च स्तरों पर प्रतिनिधित्व का माध्यम है। इसलिए इसमें कोई आर्थिक पैमाना नहीं शामिल किया जा सकता। लेकिन आरक्षण नीति की अब तक जो यात्रा है, उसमें यह तर्क कमजोर पड़ चुका है। ओबीसी आरक्षण शैक्षिक एवं सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर दिया गया। इसी तर्क पर ओबीसी जातियों के बीच श्रेणियां बनाई गईं। अब अनुसूचित जातियों के मामले में भी इस तर्क पर न्यायिक मुहर लग चुकी है। फिर 2019 में जब आर्थिक रूप से पिछड़े समूहों के लिए 10 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था हुई, तो वह विशुद्ध रूप से आर्थिक पैमाने पर था। आरक्षण से गरीबी और पिछड़ापन मिट सकते हैं या नहीं, यह दीगर मुद्दा है। लेकिन आरक्षण पर पिछले 35 वर्षों में जो सियासत आगे बढ़ी है, उसके बीच यह प्रश्न पहले ही बहस से बाहर हो चुका है- शायद इसलिए कि यह आज किसी का मकसद ही नहीं है!

राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी कोई इच्छा पूरा होने से पूरे दिन मन प्रसन्न रहेगा। आप उच्च शिक्षा के लिए हाई प्रोफाइल संस्थान में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। परिवार में किसी शुभ कार्य पर आप धन खर्च करेंगे। भूमि संबंधी कार्यों में आपके लिए लाभ के योग हैं। आपकी व्यावसायिक योजनाएं सफल होंगी।

वृष राशिः आज आपके लिए दिन फायदेमंद रहेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होगी। कार्यक्षेत्र में आपको बेहतर अवसर मिलने की संभावना है। व्यापारियों को व्यापार से रिलेटेड यात्रा होने के योग हैं। इस यात्रा से आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आज आप धन की बचत करने में कामयाब रहेंगे।

मिथुन राशिः आज आपका दिन ठीक ठाक रहेगा। आप अपने प्रियजनों और परिवार के बड़ों से सलाह लेकर ही कोई व्यवसाय से संबंधित निर्णय लेंगे। किसी तरह के पैसों के लेन-देन में आज आपको सावधानी बरतने की जरूरत है। आप कोई मकान या जमीन खरीदने का प्लान बना सकते हैं।

कर्क राशिः आज आपका दिन पॉजिटिव रहेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को व्यापार में बड़े लाभ की उम्मीद है। नई व्यापारिक योजनाएं बनाने में कामयाब रहेंगे। आपका पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। उच्च स्तरीय शिक्षा में आपकी संतान के एडमिशन लेने की खबर मिल सकती है।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आपको किसी प्रकार के लेन-देन के मामले में स्पष्टता रखनी होगी। संतान के करियर में विशेष उपलब्धि मिलने से आपको खुशी मिलेगी। काफी दिनों से स्टार्टअप शुरू करने का प्लान पूरा करने में कामयाब रहेंगे। आज आप एक अच्छे टीम लीडर साबित होंगे। आज आपको किसी भी बात को लेकर बहुत अधिक सोच-विचार करने से बचना होगा।

कन्या राशिः आज आपका दिन लकी रहने वाला है। आप व्यापार शुरू करने का मन बनाएंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी, आज किसी प्रकार की बिजनेस डील हो सकती है। घर के कार्यों में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। आज आप माता-पिता के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाएंगे।

तुला राशिः आपके लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा। कुछ नए संपर्कों से आपको लाभ मिलेगा। आज आपके व्यापार में उन्नति होने के योग बने हुए है। किसी पारिवारिक समस्या का आज समाधान निकालने में सफल होंगे, परिवार के सदस्यों में ताल-मेल बढ़ेगा। व्यापार को बढ़ाने के लिए आज आप कुछ नया करने की कोशिश करेंगे। प्रतियोगी परीक्षार्थियों को सफलता मिलने के योग है।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन प्रसन्नता पूर्वक बीतेगा। आपको अपने कुछ पुराने मित्रों से मेलजोल बढ़ाने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र क्षेत्र में दी गई जिम्मेदारियों को आज आप बखूबी निभाएंगे। अपने सीनियर्स के साथ कुछ पुरानी यादों को ताजा करेंगे। कार्य स्थल पर आज आप ऊर्जावान महसूस करेंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपको नौकरी से रिलेटेड कोई शुभ समाचार सुनने को मिलेगा, जिसकी आपको प्रतीक्षा थी। जीवनसाथी की ओर से कोई उपहार मिलने से पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। प्रशासनिक क्षेत्र से जुड़े लोगों का अपने कार्यों में बढ़िया प्रदर्शन रहेगा। आज आपको आर्थिक लाभ होने के योग हैं।

मकर राशिः वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनेगी। आज आपको किसी बड़ी कंपनी से नौकरी का ऑफर आएगा। जीवनसाथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। संतान पक्ष से खुशियां मिलेंगी।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आप धर्म-कर्म के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। छात्रों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, बस थोड़ी और मेहनत करने की जरुरत है। गवर्नमेंट सेक्टर से जुड़े लोगों को उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। जिससे वह अपना कोई बड़ा प्रोजेक्ट पूरा करने में सफल होंगे।

मीन राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। कार्यस्थल पर आपके काम की सराहना होगी। मीडिया और जनसंचार से जुड़े लोगों को उनके काम के लिए प्रसिद्धि मिलेगी। अगर आप लेखक है और कोई किताब लिखना चाह रहे हैं तो समय अनुकूल है। सेहत के मामले में आज आप चुस्त-दुरुस्त बने रहेंगे। आपका पारिवारिक जीवन उत्साह से भरा रहेगा। ऑफिस के किसी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है।

आत्मनिर्भर भारत के लिए श्रम सुधार

//डॉ. मनसुख मांडविया//

कई दशकों तक भारत कमज़ोर आर्थिक विकास, गहरे भ्रष्टाचार और रोज़गार सृजन व श्रमिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता के अभाव से जूझता रहा। राजनीतिक उद्देश्यों से होने वाले घेराव और बंदी ने बार-बार औद्योगिक गतिविधियों को बाधित किया, निवेश को रोका और व्यवस्था में विश्वास को कम किया। यह दुख की बात है कि पिछली सरकारों ने श्रमिक कल्याण को केवल नारों तक सीमित कर दिया और श्रमिकों के वास्तविक मुद्दों को गंभीरता से लेने में विफल रहीं। इस जड़ता को तोड़ने के लिए देश के नेतृत्व में एक बड़ा बदलाव जरूरी था। लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'श्रमेव जयते' का आह्वान किया और कहा कि भारत की विकास यात्रा के केंद्र में श्रम की गरिमा यानी मजदूरों का सम्मान होना चाहिए। यह केवल एक नारा नहीं था, बल्कि एक नई राष्ट्रीय सोच की शुरुआत थी, जिसमें नीतियां बनाते समय श्रमिकों को केंद्र में रखा गया।

ऐसे बदलाव की जरूरत बहुत समय से महसूस की जा रही थी। भारत के ज़्यादातर श्रम कानून 1920 से 1950 के बीच बने थे और उनमें औपनिवेशिक सोच की झलक रहती थी। दूसरी ओर, दुनिया में काम करने का तरीका पूरी तरह बदल चुका था। गिग और प्लेटफ़ॉर्म अर्थव्यवस्था का बढ़ना, डिजिटल कामकाज, लचीली कार्य संरचनाएं और नए प्रकार के उद्यम तेजी से उभर रहे थे। लेकिन भारत के पुराने श्रम कानून समय के साथ नहीं बदले, और आधुनिक कार्यबल या प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहे थे।

एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पंच प्रण के माध्यम से यह संदेश दिया कि हमें औपनिवेशिक मानसिकता छोड़कर भविष्य की जरूरतों के अनुसार आगे बढ़ना चाहिए। पुराने कानून इसलिए नहीं बने रहे क्योंकि वे अच्छे थे, बल्कि इसलिए क्योंकि पिछली सरकारों में उन्हें बदलने का राजनीतिक साहस, इच्छा शक्ति और दूरदृष्टि की कमी थी। बदलती परिस्थितियों और देश की जरूरतों के अनुसार उन्हें आधुनिक बनाने की हिम्मत किसी ने नहीं दिखाई।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत का वैश्विक कद अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। दुनिया मानती है कि भारत अब भविष्य को आकार देने में केवल भाग नहीं ले रहा है, बल्कि उसे परिभाषित करने में भी मदद कर रहा है। लेकिन इस ऐतिहासिक क्षण का सही अर्थों में लाभ उठाने और संभावनाओं को दीर्घकालिक समृद्धि में बदलने के लिए, भारत औपनिवेशिक काल के उस श्रम ढांचे से बंधा नहीं रह सकता जो सशक्तिकरण के बजाय नियंत्रण के लिए बनाया गया था।

इसलिए, बड़े पैमाने पर रोज़गार सृजन, औपचारिकता का विस्तार और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक बदलाव आवश्यक था। इस राष्ट्रीय आवश्यकता को समझते हुए, मोदी सरकार ने स्वतंत्र भारत के सबसे महत्वपूर्ण सुधारों में से एक को लागू किया। पहले के 29 बिखरे हुए श्रम कानूनों को मिलाकर चार सरल और स्पष्ट श्रम संहिताएं बनाई गईं ‒ वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता।

21 नवंबर 2025 को ये श्रम संहिताएं लागू हो गईं। ये संहिताएं मिलकर एक आधुनिक श्रम ढांचा स्थापित करती हैं, जो श्रमिक-समर्थक और विकास-समर्थक दोनों है, और यह दिखाता है कि भारत अब तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था की मांगों को पूरा करने के लिए तैयार है।

संसद द्वारा 2019 और 2020 में श्रम संहिताओं को पारित किया गया था, कई राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, श्रमिक संघों और उद्योग निकायों ने उनके प्रगतिशील इरादे का स्वागत किया है। उनकी खूबियों को पहचानते हुए, सभी राजनीतिक दलों के राज्यों ने संहिताओं के अनुसार से अपने श्रम कानूनों में बदलाव किए। उदाहरण के लिए, जिन राज्यों ने महिलाओं को उनकी सहमति और पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ रात में काम करने की अनुमति दी है, वहाँ कुल महिला रोजगार में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

सभी क्षेत्रों के स्टेकहोल्डर्स ने एक पुरानी हो चुकी श्रम प्रणाली से आगे बढ़ने की आवश्यकता को पहचाना है। उनके योगदान ने एक संतुलित ढाँचा तैयार करने में मदद की है जो श्रमिकों की सुरक्षा करता है और साथ ही अर्थव्यवस्था को विकसित होने में भी सक्षम बनाता है।

श्रमिकों और इंडस्ट्री लीडर्स के साथ मेरी बातचीत में जो बात हमेशा सामने आई है वह कार्यस्थल पर स्पष्टता, निष्पक्षता और सम्मान की आवश्यकता पर बल देती है। इसी मार्गदर्शक सिद्धांत ने हमारे सुधारों को आकार दिया है, जिसने एक जटिल और बिखरे हुए सिस्टम को एक ऐसे सिस्टम से बदल दिया है जो सरल, पारदर्शी और हर श्रमिक की सुरक्षा करने वाला है। श्रम संहिताएं अपने मूलभाव और अक्षरशः रूप में, नियोक्ताओं की अपेक्षाओं को संतुलित करते हुए श्रमिकों के हितों को प्राथमिकता देती हैं। वे निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देती हैं और सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करती हैं। ये संहिताएं ऑडियो-विजुअल श्रमिकों और गिग तथा प्लेटफॉर्म श्रमिकों को औपचारिक मान्यता प्रदान करती हैं। ये अखिल भारतीय ईएसआईसी कवरेज को सक्षम बनाती हैं, 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी श्रमिकों के लिए वार्षिक स्वास्थ्य जांच अनिवार्य करती हैं, जिनमें पहले बाहर रखे गए बागान श्रमिक भी शामिल हैं। साथ ही, ये राज्यों में असमानताओं को कम करने के लिए सभी श्रमिकों के लिए वैधानिक न्यूनतम वेतन की गारंटी देती हैं। अनिवार्य नियुक्ति पत्र, पक्की पे स्लिप और सवेतन वार्षिक अवकाश जैसे प्रावधान हर श्रमिक को अधिक स्थिरता, सम्मान और सुरक्षा प्रदान करते हैं।

कॉन्ट्रैक्ट आधारित रोज़गार के एक प्रगतिशील विकल्प के रूप में, संहिताओं में फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयमेंट (एफटीई) यानी निश्चित अवधि के रोजगार की शुरुआत की गई है। एफटीई के तहत, एक निश्चित अवधि के लिए नियोजित श्रमिकों को स्थायी कर्मचारियों के समान ही वेतन, लाभ और काम करने की स्थितियाँ प्राप्त होती हैं, जिनमें सवेतन अवकाश, काम के तय घंटे, चिकित्सा सुविधाएँ, सामाजिक सुरक्षा और अन्य वैधानिक सुरक्षाएँ शामिल हैं। विशेष रूप से, एफटीई कर्मचारी केवल एक वर्ष की निरंतर सेवा के बाद ही ग्रेच्युटी के लिए पात्र हो जाते हैं।

संहिताएँ आधुनिक कार्यस्थलों की वास्तविकताओं को भी स्वीकार करती हैं। यदि कोई कर्मचारी स्वेच्छा से मानक घंटों से अधिक काम करना चुनता है, तो उसे ओवरटाइम के लिए नॉर्मल सैलरी रेट से दोगुना पैसा मिलना चाहिए, जिससे हर परिस्थिति में निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके।

नारी शक्ति इन सुधारों का एक केंद्रीय स्तंभ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के दृष्टिकोण से निर्देशित, ये संहिताएँ महिलाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में शामिल होने के नए रास्ते खोलती हैं– जिनमें अंडरग्राउंड खदानों, भारी मशीनरी और नाइट शिफ्ट में काम करना शामिल हैं–बशर्ते इस पर उनकी सहमति हो और मजबूत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू हों।

इसके साथ ही, संहिताएँ सिंगल रजिस्ट्रेशन, सिंगल लाइसेंस और सिंगल रिटर्न फाइलिंग की शुरुआत करके नियोक्ताओं पर कम्प्लायंस के बोझ को काफी कम करती हैं। यह सरलीकरण उद्योगों को पूरे भारत में अपनी यूनिट्स का विस्तार करने और स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा, जिससे स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

भारत की सामाजिक सुरक्षा 2015 में 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64.3 प्रतिशत होने की विश्व में प्रशंसा हुई है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने भारत की प्रयासों को माना है, जबकि अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ ने सामाजिक सुरक्षा में बेहतरीन काम के लिए भारत को पुरस्?कार प्रदान किया है। इन अंतर्राष?ट्रीय संगठनों ने भी नई श्रम संहिता को आधुनिक, प्रगतिशील और श्रमिकों के अनुकूल बताया है।

इन दूरगामी लाभों के बावजूद, यह स्पष्ट है कि ज़्यादातर आलोचना सुधारों की समझ से नहीं, बल्कि उन मज़बूत राजनीतिक हितों से होती है जो बदलाव नहीं चाहते हैं। जो लोग असर के लिए पुराने और अस्पष्ट व्यवस्था पर भरोसा करते थे, वे अब एक पारदर्शी, कुशल और श्रमिक-केंद्रित ढांचे से सहज नहीं हैं। इन संहिताओं से आए अच्छे बदलाव को मानने के बजाय, उन्होंने भ्रामक जानकारी फैलाना चुना है।

यह श्रम संहिता भारत के आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनने की राह में एक बड़ा बदलाव लाने वाला पड़ाव हैं। ये श्रमिक की गरिमा बनाए रखते हैं, औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करते हैं और एक ऐसा मॉडल बनाते हैं जहां श्रमिकों के अधिकार और सम्मान की रक्षा होती है तथा श्रमिकों को आत्मनिर्भरता बनाते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के प्रति प्रतिबद्धता से निर्देशित, ये श्रम सुधार एक आधुनिक, लचीली और समावेशी अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव रखते हैं जो श्रमिकों और उद्यमों दोनों को भारत के विकास के केंद्र में रखते हैं।

अर्बन नक्सल अब खुलकर सामने आने लगे, इंडिया गेट पर प्रदर्शन में जो हुआ उसने गहरी चिंता पैदा की

//नीरज कुमार दुबे//

इस पूरी घटना की घोर निंदा आवश्यक है— न केवल इसलिए कि हिंसा हुई, बल्कि इसलिए भी कि लोकतांत्रिक विरोध की पवित्रता भंग हुई। प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई को किसी भी प्रकार की अतिवादी राजनीति से मुक्त रखना होगा। दिल्ली में रविवार को हुए प्रदूषण-विरोधी प्रदर्शनों का उद्देश्य जितना वैध था, उसकी परिणति उतनी ही दुर्भाग्यपूर्ण। राजधानी की हवा विषैली हो चुकी है, नागरिकों का आक्रोश स्वाभाविक है और सरकारों से कड़े कदमों की अपेक्षा भी पूरी तरह जायज। परन्तु जिस प्रकार यह प्रदर्शन हिंसक हुआ, मिर्च-स्प्रे का उपयोग किया गया, पुलिसकर्मियों को चोट पहुँचाई गई और सबसे गंभीर बात कि एक माओवादी कमांडर हिडमा के पोस्टर लहराए गए, वह न केवल कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती है बल्कि सजग लोकतांत्रिक नागरिकता की मूल भावना पर प्रहार भी है।

प्रदूषण पर चिंता जताने का लोकतांत्रिक अधिकार और नक्सलवाद का प्रचार दो बिल्कुल अलग चीज़ें हैं, जिन्हें किसी भी परिस्थिति में एक-दूसरे से मिलाया नहीं जा सकता। हिडमा जैसा व्यक्ति, जो दशकों तक सुरक्षा बलों के लिए घातक रहा, अनेक निर्दोष ग्रामीणों की मौत का कारण बना और हिंसा की राजनीति को बढ़ावा देता रहा, यदि उसके पोस्टर राजधानी की सड़कों पर लहराए जाते हैं, तो यह लोकतंत्र का गंभीर उपहास है। चाहे यह किसी छोटी टुकड़ी का कृत्य रहा हो या किसी सुनियोजित समूह का, यह कृत्य किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है।सबसे पहले निंदा उस हिंसा की होनी चाहिए जो प्रदर्शनकारियों ने अपनाई। मिर्च-स्प्रे का इस्तेमाल, बैरिकेड तोड़ना, सड़क अवरोध, एम्बुलेंस जैसे आपात वाहनों को रोकना, ये सब लोकतांत्रिक विरोध के दायरे में आते ही नहीं। संविधान ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी है, पर यह स्वतंत्रता दूसरों की सुरक्षा और अधिकारों को चोट पहुँचाने की अनुमति नहीं देती। पुलिसकर्मी भी इंसान हैं, वह रोज़ नागरिकों की सुरक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं। उन पर इस तरह हमला पूरी तरह निंदनीय है।दूसरी ओर, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि सत्ता पक्ष इस पूरे घटनाक्रम को केवल अर्बन नक्सल कथा तक सीमित कर राहत की साँस न ले। प्रदूषण वास्तव में एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल बन चुका है। दिल्ली-एनसीआर की हवा ऐसी है कि सुबह की सैर अब स्वास्थ्य के लिए उपयोगी नहीं, बल्कि नुकसानदायक हो चुकी है। हर साल सरकारें समितियाँ बनाती हैं, घोषणाएँ करती हैं, परंतु जमीनी बदलाव नहीं दिखते। आम आदमी का गुस्सा इसलिए फूटता है क्योंकि उसे नीतिगत निष्क्रियता साफ दिखाई देती है।और यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि गुस्से का अर्थ यह नहीं कि किसी भी चरमपंथी विचारधारा को मंच मिल जाए। एक लोकतंत्र में ग़लत नीतियों की आलोचना की जा सकती है, परंतु लोकतंत्र विरोधी हिंसक संगठनों की प्रशंसा नहीं की जा सकती। यह विरोध की सीमा नहीं, बल्कि उसकी आत्मा को ही दूषित कर देता है। घटना का तीसरा पहलू इससे भी चिंताजनक कि हर बार की तरह यह मुद्दा भी राजनीतिक बयानबाज़ी की भेंट चढ़ गया। जरूरी बात यह है कि सभी दल मिलकर प्रदूषण जैसे गंभीर संकट पर कदम उठाएँ। एनसीआर के राज्यों के बीच समन्वय, निर्माण-धूल नियंत्रण, पराली प्रबंधन, सार्वजनिक परिवहन का विस्तार, ये सब आज ही करने की ज़रूरत है। जनता सड़क पर इसलिए उतरती है क्योंकि उसे लगता है कि उसकी आवाज़ संस्थानों तक पहुँच नहीं पा रही है। लेकिन यदि जनता में से भी कुछ लोग लोकतांत्रिक ढाँचे को ध्वस्त करने वाले तत्वों की तरफ झुक जाएँ, तो यह समाज की सामूहिक विफलता है।इसलिए, इस पूरी घटना की घोर निंदा आवश्यक है– न केवल इसलिए कि हिंसा हुई, बल्कि इसलिए भी कि लोकतांत्रिक विरोध की पवित्रता भंग हुई। प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई को किसी भी प्रकार की अतिवादी राजनीति से मुक्त रखना होगा। हिडमा जैसे चरमपंथियों के पोस्टर राजधानी की सड़कों पर स्वीकार्य नहीं हो सकते। यह हमारे लोकतंत्र की संवेदनशीलता पर आघात है और इससे सख्ती से निपटना ही होगा। बहरहाल, सरकारों को प्रदूषण पर ठोस और त्वरित कदम उठाने चाहिए ताकि ऐसे प्रदर्शन भटक कर हिंसा और अतिवाद का रूप न लें। नागरिकों का आक्रोश तभी सही दिशा में जा सकता है, जब राज्य व्यवस्था उसे सुनने और समाधान देने को तैयार हो। परंतु लोकतंत्र में कोई भी लक्ष्य हिंसा, भय और चरमपंथ के सहारे नहीं प्राप्त किया जा सकता। यह समान रूप से नागरिक, सरकार और समाज, सभी की साझा जिम्मेदारी है कि विरोध भी हो, पर सभ्य, शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप।

जनादेश 'अच्छे दिनों' का प्रमाण

एक के बाद एक चुनावी जीत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार और राजनीति को वह निरंतरता दी हुई है, जिसका हिसाब से यह नैरेटिव बनना चाहिए कि मोदी सरकार का काम बोल रहा है। जनादेश 'अच्छे दिनों' का प्रमाण है। पर क्या चुनाव नतीजों की चर्चा में इस तरह की कोई पुण्यता है। जबकि नैरेटिव और मीडिया पूरी तरह सत्ता के कहने में है। बावजूद इसके 'अच्छे दिनों' की दुहाई देने का किसी के भी पास वह आधार नहीं है, जिससे सचमुच लगे कि चुनावी जीत 'अच्छे दिन' की बदौलत है। बिहार में लालकिले के आगे यदि विस्फोट की गूंज थी तो मेरा मानना है वह तो असुरक्षा, चिंता और भय की था न कि अच्छी फीलिंग।

चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह व भाजपा, एनडीए का प्रमुख सुर लोगों को लालू यादव का जंगल राज याद कराना था। या घुसपैठियों को निकाल बाहर करने व हिंदू-मुस्लिम नैरेटिव को सुलगाना। ऑपरेशन सिंदूर हो या राहुल गांधी को पप्पू बताने से लेकर माता जानकी मंदिर बनाने की तमाम वे बातें थीं, जिनका मतदाता की रोजमर्रा की जिंदगी से नाता नहीं है। फिर भी नीतीश-भाजपा के एनडीए एलायंस की छप्पर फाड़ जीत है। इसलिए यह बहुत जल्द वैसे ही बासी हो जाएगी जैसे महाराष्ट्र, हरियाणा की चुनावी विजय का हस्र है। दस-पंद्रह दिन बाद फिर राहुल गांधी, विपक्ष से चुनाव आयोग, ईवीएम मशीन और धांधलियों का रोना रोता मिलेगा। दिसंबर में जब संसद का सत्र शुरू होगा तो इन्हीं बातों के हंगामे में वह स्वाहा! मतलब महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड के चुनावों के बाद पक्ष-विपक्ष का जो राजनीतिक नजारा था वह ढर्रा जस का तल चलता रहेगा। मोदी सरकार-भाजपा भी 2026 के शुरू होते ही उत्तर प्रदेश, बंगाल, तमिलनाडु के आगामी विधानसभा चुनावों के लिए फिर वही ए टू जेड फॉर्मूलों (घोषणाओं, सरकारी खजाना खोल पैसा बांटने, जंगल राज, हिंदू-मुस्लिम, आतंकी धमाकों, विपक्ष को तोड़ने-बांटने आदि, आदि) के रोडमैप बनाने में जुटेगी। बिहार के नतीजों के बाद अनुमान लगा सकते हैं कि विपक्ष के बिखरे वोटों की वजह से विरोधी पक्ष नतीजों को लेकर अविश्वास की गांठ बांधे रहने वाला है। मोदी-भाजपा विरोधी जितने भी वोट हैं वे बिहार के बाद और अधिक अविश्वास में चुनाव नतीजों पर गौर करेंगे। सरकार, चुनाव आयोग पर पहले की तरह ठीकरा फूटेगा।

स्वीरों की दुनिया

केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी, जम्मू के कन्वेंशन सेंटर में चूना पत्थर खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी के शुभारंभ के दौरान।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हाजीपुर में एक इंडस्ट्रियल एरिया के दौरे के दौरान एक टेक्सटाइल फैक्ट्री का दौरा करते हुए।

वाराणसी के दालमंडी में अवैध इमारतों को गिराने के दौरान तैनात सुरक्षाकर्मी।

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने दुमका जिले के मुरगुनी में सिद्धेश्वरी नदी पर मसलिया-रानेश्वर मेगा लिफ्ट सिंचाई प्रोजेक्ट के बन रहे काम का निरीक्षण किया।

पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट के चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन में लगे बूथ लेवल ऑफिसर्स ने कोलकाता में चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर के ऑफिस तक विरोध मार्च के दौरान नारे लगाए, क्योंकि उन पर काम का बहुत ज़्यादा दबाव था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ शासन एवं राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित द्वारा राज्य के वन क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों से विभिन्न वनोपज और औषधीय पौधों को खरीदकर उनका संग्रहण एवं प्रसंस्करण किया जा रहा है।

मकान बताकर दान कर दिया करोड़ों का अस्पताल, 20 लाख की स्टांप चोरी के आरोप में कार्रवाई की तैयारी

मेरठ 25 नवंबर। हापुड़ रोड पर एल ब्लाक शास्त्रीनगर स्थित जगदंबा अस्पताल के करोड़ों के भवन को भवन मालिक दो भाईयों ने अपने तीसरे भाई को उपहार में दे दिया। इस गिफ्ट डीड का रजिस्ट्रेशन भवन को मकान दिखाकर किया गया और मात्र 5 हजार रुपये का स्टांप शुल्क अदा किया गया।यह रजिस्ट्रेशन भी इस क्षेत्र के उप निबंधक कार्यालय में न कराकर उप निबंधक द्वितीय के कार्यालय में कराया गया। उप निबंधक प्रथम ने जांच की तो मौके पर अस्पताल का तीन मंजिला भवन मिला। उनकी रिपोर्ट पर एआईजी निबंधन ने 20.65 लाख की स्टांप चोरी का मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी है। हापुड़ रोड पर भूखंड संख्या एल 621 में स्थित भवन को आवासीय भवन बताते हुए 18 जनवरी 2025 को दो सगे भाईयों योगेंद्र कुमार और अशोक कुमार ने अपने तीसरे सगे भाई रविंद्र कुमार को उपहार में देते हुए इसका रजिस्ट्रेशन उप निबंधक द्वितीय के कार्यालय में कराया था। जबकि यह क्षेत्र उप

निबंधक प्रथम का है। यह तीन मंजिला भवन है जिसकी कीमत 1.70 करोड़ दर्शायी गई। लेकिन स्टांप शुल्क मात्र 5 हजार रुपये अदा किया गया।इस उपहार पत्र की उप निबंधक प्रथम ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो वहां मकान के स्थान पर तीन मंजिला अस्पताल का भवन मौजूद मिला। जिसमें 250.70 वर्ग मीटर के भूखंड पर बने तीनों तल पर कुल 752.10 वर्ग मीटर कवर्ड एरिया मिला। निरीक्षण रिपोर्ट के मुताबिक अस्पताल के गेट पर ही उपहार पाने वाले रविंद्र कुमार के फोटो वाले बोर्ड लगे थे।आरोप लगाया कि व्यवसायिक संपत्ति को आवासीय दर्शाकर नियमविरुद्ध उपहार पत्र पंजीकृत कराया गया है। जिसमें 20.65 लाख रुपये के स्टांप और निबंधन शुल्क की चोरी पाई गई। उप निबंधक के मुताबिक केवल आवासीय और कृषि संपत्ति के उपहार पत्र में ही स्टांप शुल्क की छूट प्रदान की जाती है।उप निबंधक की जांच के आधार पर एआइजी निबंधन ने रविंद्र कुमार को नोटिस जारी करके जवाब मांगा। इसके साथ ही इस मामले में 20.65 लाख रुपये का स्टांप वाद भी दायर किया गया है। उपहार पाने वाले रविंद्र कुमार ने दावा किया कि व्यवसायिक संपत्ति के उपहार पत्र पर भी स्टांप शुल्क की छूट है। हमने नोटिस का जवाब दे दिया है। फिर भी यदि स्टांप की कमी मिलती है तो हम जमा करा देंगे।दो वर्ष पहले सरकार ने छह महीने के लिए व्यवसायिक संपत्तियों के उपहार पत्र पर स्टांप की छूट दी थी।

देशभर की पंचायतें कल मनाएंगी संविधान दिवस, स्थानीय भाषाओं में पढ़ी जाएगी प्रस्तावना

नईदिल्ली, 25 नवंबर [एजेंसी]।

पंचायती राज मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि 26 नवंबर को देश भर की करीब 2.63 लाख पंचायतें संविधान दिवस मनाएंगी और संविधान की प्रस्तावना स्थानीय भाषाओं में पढ़ी जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि संविधान दिवस पर सचिव विवेक भारद्वाज की अगुवाई में वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी में प्रस्तावना पढ़ी जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि पंचायती राज मंत्रालय 26 नवंबर 2025 को पूरे देश में सभी तीन-स्तरीय पंचायती राज संस्थानों और ग्रामीण स्थानीय निकायों में संविधान दिवस मनाने के लिए समन्वय कर रहा है।

उसने कहा कि देश भर की पंचायतें स्थानीय भाषाओं में प्रस्तावना का सामूहिक पाठ करेंगी, साथ ही संवैधानिक मूल्यों पर चर्चा, सेमिनार और प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। मंत्रालय ने कहा कि पूरे देश में कांस्टिट्यूशन कनेक्ट - प्रिएंबल रीडिंग रिले सुबह 10.00 बजे से शाम 6.45 बजे तक आयोजित की जाएगी, जिसमें हर राज्य और केंद्रशासित प्रदेश 15 मिनट के लिए जुड़ेगा। यह कार्यक्रम मंत्रालय के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। साल 2015 से संविधान दिवस 26 नवंबर को मनाया जाता है। 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अपनाने की याद में यह दिन मनाया जाता है।

नालसा के कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त हुए जस्टिस विक्रम नाथ, अधिसूचना जारी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया। जस्टिस सूर्यकांत के सीजेआइ बनने के बाद नालसा के कार्यकारी अध्यक्ष का पद रिक्त हो गया था। सीजेआइ सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जितेंद्र कुमार माहेश्वरी को सुप्रीम कोर्ट विधिक सेवा समिति (एससीएलएससी) का नया अध्यक्ष नामित किया। उनकी नियुक्ति 24 नवंबर 2025 से ही प्रभावी होगी। इस बारे में 20 नवंबर को विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 की धारा 3ए तहत एक अधिसूचना जारी की गई। सुप्रीम कोर्ट विधिक सेवा समिति जरूरतमंद व्यक्ति को मुफ्त कानूनी सेवा और अधिवक्ता मुहैया कराने और न्याय तक पहुंच को आसान बनाने में अहम भूमिका निभाता है। जस्टिस विक्रम नाथ पहले इस समिति के अध्यक्ष थे।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने विवाह के लिए बदला सरकारी कार्यक्रम स्थल, कहा- मैं हर बेटी का अभिभावक

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को अपने संबोधन में अक्सर मृदु एवं दृढ़ बताते हैं। मुख्यमंत्री ने मृदु होने का परिचय देते हुए हाल ही में जामनगर के टाउन हाल में एक बेटी के विवाह को लेकर दुल्हन के चाचा को फोन कर कहा आप बेटी का विवाह निश्चिंत होकर कीजिए हम सरकारी कार्यक्रम का स्थल बदल लेंगे। इंटरनेट मीडिया पर मुख्यमंत्री के इस व्यवहार की खूब प्रशंसा हो रही है। जामनगर के टाउन हाल में 23 नवंबर को एक विवाह समारोह निर्धारित था, अगले दिन 24 को उसी जगह पर सरकारी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को शामिल होना था।मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से दो दिन पहले उनकी सुरक्षा टीम ने टाउन हाल को घेरे में लेकर सुरक्षा जांच में जुट गई, तो लड़की के परिवार की चिंता बढ़ गई।

यूपी के इस जिले में तैयार होते हैं अग्नि-ब्रह्मोस और पृथ्वी मिसाइलों के कल-पुर्जे, ये कंपनी कर रही प्रोडक्शन

अलीगढ़, 25 नवंबर [एजेंसी]।

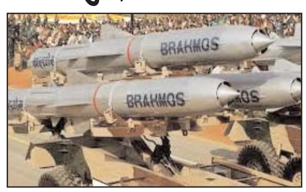

भारत की घातक व उच्च मारक क्षमता वाली ब्रह्मोस, पृथ्वी और अग्नि स्वदेशी मिसाइलों में अलीगढ़ में बने पुर्जे लगाए जा रहे हैं। डिफेंस कारिडोर अलीगढ़ नोड में इन पुर्जों को तैयार किया जा रहा है। छोटे व बेहत अहम इन पुर्जों से ही मिसाइलें चलती हैं। इनके बिना मिसाइल का फटना तो दूर चलना भी संभव नहीं हो सकता है। विश्वस्तर पर इन मिसाइलों से भारत की अपनी अलग पहचान व वर्चस्व है। भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय से करार के बाद दीप एक्सप्लो प्राइवेट लिमिटेड कंपनी इनका निर्माण कर रही है। मिसाइल को आगे बढ़ाने के मुख्य इग्निशन सिस्टम, लग जैसे आवश्यक उपकरण की जरूरत होती है। इनको अलीगढ़ की फैक्ट्री में तैयार करके भेजा जा रहा है। ब्रह्मोस, पृथ्वी और अग्नि मिसाइलों की खूबी के चलते भारत इनका निर्यात भी कर रहा है। इन मिसाइलों में फायर करने के लिए लगने वाला इनर बाडी होल्डर भी अलीगढ़ में ही तैयार किया जा रहा है। फिनिशिंग व गुणवत्ता में अगर बाल के बराबर भी खामी रह जाए तो पीस रिजेक्ट हो जाता है। इनकी खेप तेजी से रक्षा मंत्रालय के पास भेजी गई हैं। इन पुर्जों की अब तक 15 से 20 लाख की संख्या में आपूर्ति भी की जा चुकी है।वर्ष 2023 में भारत सरकार से दीप एक्सप्लो का करार हुआ था। दो वर्ष से इनको तैयार कर भेजा जा रहा है। कंपनी का दावा भी है कि भारत द्वारा किए गए आपरेशन सिंदूर में इन्हीं पुर्जों से लैस भारतीय मिसाइलों ने दुश्मनों पर कहर बरपाया था। मेक इन इंडिया मुहिम को धार देते हुए ये पुर्जे गुणवत्ता में इतने खरे हैं कि इनको दूसरे देश भी पसंद कर रहे हैं। पूर्व में दूसरी अन्य मिसाइलों में ऐसे उपकरणों को लगाने के लिए रूस, इजराइल जैसे देशों की ओर देखना पड़ता था।

बारीक से लेकर छोटे-बड़े मिलाकर लगभग एक दर्जन पुर्जे तैयार किए जा रहे हैं।रक्षा उत्पाद बनाने वाले विशेषज्ञों ने बताया कि इन उपकरणों की खरीद विदेशों से करने में मोटी रकम खर्च करनी पड़ती है। भारत की मोटी धनराशि विदेशों में चली जाती है। रक्षा क्षेत्र में भारत अब आयात की जगह निर्यात करने वाला देश बना है।अगर इन पुर्जों की उत्पादकता बढ़ाकर भारत दूसरे देशों को भरपूर निर्यात करना शुरू करे तो बड़े स्तर पर इकोनामी मजबूत होने की राह प्रशस्त हो सकती है। मिसाइलों को सक्रिय करने और सही समय पर विस्फोट करने की सीटकता बढ़ाने में ये पुर्जे बेमिसाल हैं। दोनों ही प्रकार के पुर्जे अलीगढ़ में तैयार किए जा रहे हैं।

खैर तहसील के अंडला गांव में सौ हेक्टेयर जमीन पर डिफेंस कारिडोर स्थापित है। इसकी नींव 14 सितंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रखी थी। यहां 25 निवेशकों को भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं। दीप एक्सप्लो सहित पांच इकाइयों में रक्षा उत्पाद बनने भी शुरू हो गए हैं।एलेन एंड एलवन कंपनी में ड्रोन व एंटी ड्रोन सिस्टम, एमिटेक कंपनी में सेटेलाइट सुरक्षा उपकरण, वेरविन कंपनी में पिस्टल व कारतूस तैयार किए जा रहे हैं। नित्या क्रिएशन इंडिया कंपनी में राइफल के उपकरण, रग्ड लैपटाप व अन्य निगरानी उपकरण आदि को तैयार किया जाता है।

26 नवंबर को पूरे प्रदेश में कांग्रेस का 'संविधान बचाओ' कार्यक्रम, लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा का उद्देश्य

पटना। बिहार कांग्रेस ने सभी जिलाध्यक्षों, मोर्चा संगठनों, विभागों एवं प्रकोष्ठों के प्रमुखों को 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली वोट चोर-गद्दी छोड़ महारैली की तैयारियों को तेज करने के निर्देश दिए हैं। पार्टी नेताओं से कहा गया है कि वे हस्ताक्षर अभियान में गति लाए। महारैली के संदेश को गांव-गांव, वार्ड-वार्ड तक पहुंचाएं। पोस्टर, इंटरनेट मीडिया, जनसंपर्क एवं सामूहिक बैठकों का आयोजन किया जाए। कांग्रेस ने दावा किया कि रैली कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए जनता का संकल्प है। 14 दिसंबर की महारैली एक ऐतिहासिक जन-आवाज बनकर उभरेगी। राष्ट्रीय कांग्रेस के निर्देश के बाद प्रदेश कांग्रेस ने 26 नवंबर (संविधान दिवस) को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर संविधान बचाओ कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की है। कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के अनुसार कार्यक्रम संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक मूल्यों और संस्थागत स्वतंत्रता की रक्षा के संकल्प को मजबूती से दोहराने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज संविधान और लोकतांत्रिक ढांचे पर बढ़ते खतरे को देखते हुए जन-जागरूकता और संवैधानिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। बिहार विधानसभा में पराजय का सामना करने वाली कांग्रेस ने चुनाव परिणामों पर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया है। पार्टी ने बयान जारी कर कहा कि चुनाव के बाद प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि कांग्रेस का चुनाव में प्रदर्शन बढ़िया नहीं रहा, जो संगठन के लिए गंभीर चिंता का विषय है। पार्टी प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने अपने जारी पत्र में कहा है कि सभी जिलाध्यक्ष अपने जिले में शीघ्र समीक्षा बैठक बुलाकर चुनावी परिणामों के राजनीतिक, संगठनात्मक और क्षेत्रीय कारणों का निष्पक्ष और गहन विश्लेषण करें।

हर हिंदू परिवार में कम-से-कम दो बच्चे जरूरी, दत्तात्रेय होसबाले बोले- देश में घोषित हो जनसंख्या नीति

कानपुर, 25 नवंबर [एजेंसी]।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने सोमवार को मर्चेंट्स चैंबर सभागार में मातृशक्ति सम्मेलन में कहा कि देश में हर हिंदू परिवार में न्यूनतम दो बच्चे आवश्यक हैं। उन्होंने देश में जनसंख्या नीति घोषित किए जाने की मांग की। कहा कि जनसंख्या नियंत्रण सबके लिए एक सा होना चाहिए। यह किसी एक वर्ग पर लागू हो और दूसरे पर नहीं, ऐसा नहीं होना चाहिए। सम्मेलन में उन्होंने संघ के सौ वर्षों के कार्यों का उल्लेख किया व जनसंख्या नियंत्रण पर खुलकर बात की। कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2018 में लाल किले से जनसंख्या नीति की घोषणा की थी और हो सकता है कि आने वाले समय में इसे लागू भी करें। उन्होंने कहा कि आबादी को लेकर जो अध्ययन हुआ है, उसमें यह बात आई है कि परिवार में दो से अधिक बच्चे होने चाहिए। कई राज्यों में हिंदू परिवारों में एक ही बच्चा है। दो बच्चे परिवार व देश के भविष्य के लिए जरूरी हैं। अगर परिवार में एक ही बच्चा हुआ तो सेना में कौन जाएगा। महिलाओं को लेकर उन्होंने कहा कि वे जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकती हैं। हालांकि, भद्दे विज्ञापन के रूप में महिलाओं का कामर्शियल प्रयोग समाज पर असर डालता है।

कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि महिलाओं को आधुनिक नहीं होना चाहिए। पुरुषों को भी महिलाओं के विकास और उनकी स्वतंत्रता में बाधा नहीं बनना चाहिए। संघ में महिलाओं की भूमिका को भी उन्होंने स्पष्ट कर कहा कि इसके लिए राष्ट्र सेविका समिति है। लड़कियां या महिलाएं शाखा में नहीं जातीं, लेकिन वे प्रचार विभाग, संपर्क विभाग, सेवा बस्ती में काम करती हैं। महिलाओं की सुरक्षा के लिए दुर्गावाहिनी भी है। कहा कि सिर्फ हिंदुत्व, गोरक्षा व अनुच्छेद 370 हटवाने के लिए ही आरएसएस नहीं है। संघ की 100 वर्ष की सफल यात्रा में गृहस्थ कार्यकर्ताओं की बड़ी भूमिका है। संघ के कार्य को कार्यकर्ता कर पाए, इसका मुख्य कारण परिवार की माता-बहनें हैं। उन्होंने प्रवास के दूसरे व अंतिम दिन जिला तथा उससे ऊपर के स्वयंसेवकों की बैठक में पंच परिवर्तन के विषय को समाज में पहुंचाने की योजना दी। कहा कि पंच परिवर्तन को आधार बनाकर कार्य करने से ही समाज तथा राष्ट्र का उत्थान संभव है।

जनगणना को लेकर झारखंड सरकार का बड़ा फैसला

प्रशासनिक क्षेत्राधिकार की सीमाओं में नहीं होगा परिवर्तन, नोटिफिकेशन जारी

रांची, 25 नवंबर [एजेंसी]।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जनगणना अधिनियम, 1948 (केंद्रीय अधिनियम संख्या-37, सन 1948) के तहत जनगणना नियम के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत की जनगणना-2027 के लिए झारखंड राज्य की सभी प्रशासनिक इकाइयों को परिवर्तन नहीं किए जाने का निर्देश दिया है। इसमें जिला/अनुमंडल/प्रखंड/नगर निगम / नगर परिषद/नगर पंचायत/ छावनी परिषद /वार्ड/पंचायत/ग्राम आदि के प्रशासनिक क्षेत्राधिकार की सीमाओं में दिनांक-01.01.2026 से 31.03.2027 तक किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किए जाने का निर्देश दिया है। स्पष्ट है कि इन प्रशासनिक इकाइयों में कुछ जोड़ने और कुछ कुछ कम करने की कवायद नहीं की जा सकेगी। साथ ही मुख्यमंत्री ने क्षेत्राधिकार की सीमाओं में 31.12.2025 तक हुए परिवर्तनों से संबंधित सूचना एवं वांछित अधिसूचना निदेशक जनगणना कार्य निदेशालय, झारखंड, रांची को अग्रसारित किए जाने का निर्देश दिया है।

चंबा में रात 10 बजे के बाद शराब परोसने पर पूरी तरह प्रतिबंध, नियम तोड़ने पर रद होगा लाइसेंस

चंबा, 25 नवंबर [एजेंसी]।

चंबा शहर में देर रात होने वाली अव्यवस्थाओं और बढ़ती शिकायतों के मद्देनजर पुलिस ने सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। एएसपी हितेश लखनपाल ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि जिले में रात 10 बजे के बाद किसी भी रेस्टोरेंट या होटल में शराब परोसने की अनुमति नहीं होगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ तुरंत और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।एएसपी के आदेश के बाद पुलिस ने अभियान को तेज कर दिया है और चंबा शहर के दो होटलों पर कार्रवाई भी की गई है। हितेश लखनपाल ने बताया कि देर रात शराब परोसने के कारण शहर में लड़ाई-झगड़े, हंगामा, शोर-शराबा और कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित होती है। कई बार नशे में धुत लोग सड़क पर विवाद और दुर्घटनाओं का कारण बन जाते हैं, जिससे आम जनता को परेशानी होती है और पुलिस की गश्त पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसलिए अब यह नियम सख्ती से लागू किया जाएगा और किसी भी प्रकार की ढील नहीं दी जाएगी।

उन्होंने चेतावनी दी कि जो भी प्रतिष्ठान निर्धारित समय के बाद शराब परोसते पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सीलिंग से लेकर लाइसेंस निलंबन तक की कार्रवाई की जाएगी।पिछले सप्ताह चंबा शहर के दो होटल देर रात शराब परोसते पकड़े गए, जिन पर तुरंत कार्रवाई की गई। एएसपी ने होटल और रेस्टोरेंट संचालकों को स्पष्ट संदेश दिया है कि नियमों का पालन करें, अन्यथा कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहें। चंबा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

कैग के ऑडिट ऑफिसर ने पेश की मिसाल एक रुपया और नारियल लेकर की शादी

नानौता। कस्बे के भारी दीनदारपुर गांव के रजनीश नागर (जो फिलहाल कैग में आडिट आफिसर हैं और नागपुर में पोस्टेड हैं) ने अपनी शादी में दहेज की कुप्रथा को सिरे से नकारते हुए एक अनूठी मिसाल पेश की है।दो दिन पूर्व गाजियाबाद निवासी रेलवे इंजीनियर मनीषा के साथ हुए विवाह में वधु पक्ष से मिले लाखों रुपये का दहेज सम्मानपूर्वक लौटाते हुए शगुन के तौर पर सिर्फ एक रुपया और एक नारियल स्वीकार किया। उनके पिता रणजीत सिंह भी पूरी तरह सहमत थे और दामाद की दृढ़ इच्छा देखकर मनीषा के पिता भंवर सिंह ने भी बिना दहेज शादी को खुशी-खुशी स्वीकार कर लिया।

आतंकी धमाके के बाद 14वें दिन अमित शाह पहुंचे लालकिला गुरु तेग बहादुर समागम में मत्था टेककर लिया आशीर्वाद

नईदिल्ली, 25 नवंबर [एजेंसी]।

राजधानी में लाल किले के पास हुए आतंकी धमाके के 14वें दिन गृहमंत्री अमित शाह लालकिला पहुंचे। सोमवार को वह देर शाम लाल किला मैदान में चल रहे समागम में शिरकत की। आयोजन स्थल की व्यवस्था का जायजा लिया तथा विभिन्न राज्यों से आई संगत का स्वागत किया। गुरु ग्रंथ साहिब को मत्था टेककर आर्शीवाद लिया। श्रद्धालुओं से मुलाकात के दौरान समागम को धार्मिक आस्था व श्रद्धा के लिए अतुलनीय कहा।इस मौके पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, आशीष सूद, कपिल मिश्रा व सिख समाज के गणमान्य लोग व भारी संख्या में श्रद्धालु भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका ने गृह मंत्री को गुरु तेग बहादुर जी के 350वें बलिदान दिवस पर आधारित पुस्तक भेंट की। इसके पहले 10 नवंबर को आतंकी हमले के कुछ घंटे बाद गृह मंत्री लाल किला के सामने नेताजी सुभाष मार्ग पहुए थे तथा घटनास्थल का जायजा लिया था।गुरु तेग बहादुर जी के

350वें बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में डीएसजीएमसी के सहयोग से दिल्ली सरकार द्वारा इस विशाल समागम का आयोजन किया गया है, जो बुधवार तक चलेगा। जिसे लेकर लाल किला मैदान से लेकर पूरे चांदनी चौक क्षेत्र में भक्ति और अध्यात्म का संगम जैसा अद्भूत माहौल है। वैसे, चंद कदम की दूरी पर हुए आतंकी धमाके के बाद इस आयोजन को लेकर संशय का माहौल था।गृहमंत्री के जाने के बाद संगत को संबोधित करते हुए खुद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उसे अपने शब्दों में बयां किया कि जब दिल्ली में एक बड़ा आतंकी हमला हुआ तो हम सभी डर गए थे कि लाल किले पर इतना बड़ा आयोजन कैसे कर पाएंगे। तब अमित शाह ने जी उन्हें संबल दिया कि जितनी मर्जी संगत आए, चाक चौबंद व्यवस्था ऐसी रहेगी कि कोई पत्ता भी नहीं हिल पाएगा। संगत को कोई परेशानी नहीं आने देंगे। गृहमंत्री का उल्लेख करते हुए सीएम ने कहा कि उन्होंने तभी कहा था कि खुद लालकिला में समागम आकर मत्था टेकुंगा और सारी व्यवस्था देखुंगा। आज गृहमंत्री समागम में शामिल हुए। व्यवस्था देखी और संगत का स्वागत कर गुरु का आर्शीवाद लिया।मुख्यमंत्री ने श्रद्धा से भरे संगत को संबोधित करते हुए आगे कहा कि जब हमने दिल्ली में इस समागम के आयोजन का विचार किया था तब नहीं सोचा था कि आप सबका इतना आर्शीवाद मिलेगा। गुरु साहब की इतनी कृपा इस रूप में होगी कि आपकी सेवा कर पाएंगे। आज भी लाखों की संख्या में संगत जुटी है।उन्होंने गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह लाल किला, जिसने कभी गुरु साहिब की शहादत देखी, औरंगजेब का अत्याचार देखा तथा भाई सती दास जी, भाई मति दास जी और भाई दयाला जी की कुर्बानियां देखीं, आज वही लाल किला लाखों श्रद्धालुओं की आस्था और समर्पण का साक्षी बन रहा है। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब की शहादत को देश कभी भूला नहीं है और न कभी भूलने देगा। मुख्यमंत्री ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली सरकार ने पूरे वर्ष गुरु के शहादत, समर्पण और कुर्बानी का गुणगान करने तथा उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का निर्णय किया है। गुरु साहिब के उपदेशों और महान बलिदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यक्रम आयोजित करेगी। हम भी कोशिश करेंगे कि गुरु साहब के चरणों में इस माध्यम से अपने श्रद्धासुमन अर्पित कर सकें।उन्होंने समागम को सफल बनाने में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारियों को सहयोग के लिए धन्यवाद भी दिया। इसके पूर्व सुबह मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन व सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा के साथ गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब पहुंचकर मत्था टेका था।सीएम रेखा गुप्ता मंगलवार को भी समागम में शिरकत की थी। इस मौके पर संगत की सेवा और लंगर में प्रसादा बनाई और लंगर में सेवा की। इस दौरान उन्होंने संगत से घुलमिलकर उनका हालचाल जाना। लोग उन्हें आयोजन के लिए धन्यवाद देते दिखे। इस दौरान समागम में गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल के 350 विद्यार्थियों ने एक साथ सामूहिक कीर्तन कर एक नया इतिहास रचा।

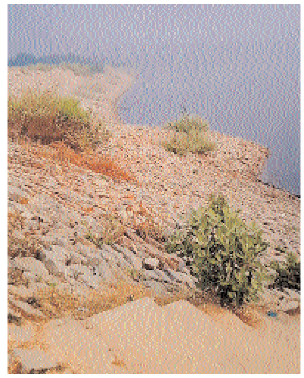

छोटी नदी का विशाल स्वरूप है गेज बांध

छत्तीसगढ़ राज्य के उत्तर पश्चिम में बसा कोरिया जिला जहां अपनी प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता के लिए जाना जाता है वही यहां की छोटी-छोटी नदियों को भी विशालता प्रदान करने की कोशिश इस जिले को पर्यटन के आकर्षण से बांधती रही है। यहां हसदो की सहायक दो छोटी गेज और झुमका जैसी नदियां और इन छोटी नदियों पर बने बड़े बांध इस जिले की कानों की ऐसी दो बालियां हैं जो इसे पूरी सुंदरता प्रदान करती है। आईए जीवन के लिए आवश्यक पानी और पर्यटन के इस संबंधों को जानने की कोशिश करते हैं।

पृथ्वी पर जीवन का मूल मंत्र है हवा पानी और वातावरण इसकी अनुकूल परिस्थितियों ही ब्रह्मांड की हमारी निहारिका में पृथ्वी को जीवन की समृद्धता प्रदान करती है। जीवन की आवश्यकताओं में से एक की कमी या उसकी समाप्ति पृथ्वी से जीवन को समाप्त करने के लिए पर्याप्त है। प्रकृति ने वातावरण के अनुकूल बनाए रखने के लिए अन्य तत्वों को एक दूसरे की सहायक बना रखा है ताकि एक दूसरे तत्व को संतुलित किया जा सके और जीवन बचा रहे। हवा के बारे में चर्चा करने पर हमें देश की राजधानी दिल्ली की याद आती है जो आज सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों की श्रेणी में आ चुका है। हमारे छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर भी इस कड़ी की गिनतियां में शामिल है। स्वाभाविक है प्रदूषण बढ़ेगा तब ऑक्सीजन घटेगा एवं जीवन को प्रभावित करेगा। इसी तरह जल के बारे में बहुत प्रचलित मुहावरा बन चुकी पंक्तियां जगह-जगह आपको देखने को मिल जाती हैं 'जल ही जीवन है' नदी तालाबों से लेकर जलप्रदाय के स्थल तक यह आपको लिखी दिखाई देती है यह अलग पक्ष है कि इसके प्रति लोगों की गंभीरता कितनी होती है।

अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के अनुसार अंतरिक्ष से पृथ्वी नीले हरे रंग की दिखाई पड़ती है। जो इसके विशाल सागर के कारण दिखाई पड़ता है इसके साथ ही पानी के स्रोत बादलों का समूह भी इसके ऊपर यहां वहां दिखाई देता है। हरा रंग हमारी पृथ्वी की वन संपदा हरीतिमा और वातावरण को प्रदर्शित करता है। पृथ्वी पर पाया जाने वाला जल दो भागों में बंटा हुआ है। पहला सागर का खारा जल और दूसरा कुंए तालाब नदियों से मिलने वाला पीने योग्य पानी जिसे मीठा जल कहा जाता है। पृथ्वी पर जीवन दोनों प्रकार के जल में विकसित होता है लेकिन मानव जीवन सहित समुद्र से बाहर रहने वाले जीव जंतु केवल मीठे पानी से ही जीवन प्राप्त करते हैं। जीवन को बचाए रखने में पानी और आपके सम्मान का पर्याय पानी की भूमिका पर कवि रहीम ने कई अर्थों में पानी को परिभाषित करते हुए व्यक्त किया है। 'रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून'।

'पानी गए न ऊबरे, मोती मानुष चून'

मानव जीवन के साथ पानी के महत्व को परिभाषित करती उक्त पंक्तियां जीवन की सार्थकता प्रदान करने में पानी को एक सशक्त माध्यम बताया है। पानी के महत्व को स्वीकार करते हुए मीठे पानी के मुख्य जल स्रोतों की कहानी में देश की कई छोटी बड़ी नदियां शामिल है,जिन्हें हम माता कहते हैं। इसमें गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र सरस्वती सिंधु कावेरी कृष्णा नर्मदा, कावेरी, महानदी और ताप्ती है। यह नदियां स्वयं किसी पहाड़ के छोटे श्रोत या खेत के ढोढ़ी स्थल से निकलकर जब धीरे-धीरे आगे बढ़ती हैं और अपने सहयोगी नदी नालों को साथ समेटती हुई उनकी छोटी-छोटी जलधाराओं से समृद्ध होती हैं तब बड़ी नदियों का नाम पाती है किंतु उन छोटे-छोटे नालों का भी स्थानीय भाषा में जल स्रोत होने के कारण ग्रामीण जन उन्हें माता का दर्जा देकर नदी का ही नाम देते हैं। छत्तीसगढ़ से निकलने वाली नदियों में उत्तरी छत्तीसगढ़ के कैमूर की पहाड़ियों के विस्तार में सोनहत की पहाड़ियां कई नदियों को जन्म देती हैं। जिसमें हसदो और गोपद प्रमुख नदियां हैं। इसी पहाड़ी के दूसरी ओर छोटी-छोटी जलधाराओं का स्रोत गेज नदी के रूप में आगे बढ़ती है। उद्गम की छोटी जलधारा को देखकर इस नदी पर किसी बांध की कल्पना नहीं की जा सकती किंतु जल संरक्षण की सोच एवं छोटी नदी को विशालता प्रदान करने का संकल्प लिए कोरिया विधायक एवं तत्कालीन जल संसाधन मंत्री स्व. रामचंद्र सिंह देव, (कोरिया कुमार) ने इस मध्यम सिंचाई परियोजना का बांध का निर्माण की जिम्मेदारी ली और इसे पूरा कर अपनी सशक्त संकल्प शक्ति का परिचय दिया है। इस बांध के निर्माण के पीछे उनकी सोच भविष्य के विकास के साथ अंचल के निवासियों को पीने और निस्तार के पानी के साथ-साथ आसपास के ग्रामीणों के खेतों की सिंचाई की व्यवस्था करना था। विकास एवं बढ़ती आबादी के बीच आज गेज बांध के निर्माण की सार्थकता के साथ, आज भी वे अंचल के निवासियों के

बीच याद किए जाते हैं।

आईए गेजनदी और बांध के उद्गम की रोचक यात्रा की ओर चले जो आपको पग पग पर रोमांचित करती है। बैकुंठपुर से सोनहत की खूबसूरत पहाड़ियों का मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग 43 के चौराहे से उत्तर पश्चिम दिशा की ओर जाने का इशारा करता है। यह चौराहा बैकुंठपुर शहर के मुख्यालय से लगभग 04 किलोमीटर दूर है। सोनहत जाने के दौरान आपके मार्ग को अनूपपुर - अंबिकापुर की रेल लाइन काटती हुई चलती है जिसके उपर बने समपार फाटक को बंद कर अब बदलते समय के अनुसार रेल विभाग ने रेल लाइन के नीचे से सड़क विकसित कर समपार फाटक को बंद कर दिया है। यहां से आगे बढ़कर लगभग 04 किलोमीटर आगे चेरवापारा गांव पहुंचकर आप एक बोर्ड देखकर ठिठक जाते हैं। सड़क मार्ग पर लिखा हुआ बोर्ड दिखाई देता है 'गेज मध्यम परियोजना जल संसाधन विभाग बैकुंठपुर' शून्य किलोमीटर, और दाहिनी दिशा की ओर एक तीर का निशान दिखाई पड़ता है। सड़क मार्ग से दाहिने घूमते ही घना आम्र कुंज आपका स्वागत करता है। फरवरी के महीने में आम के बौरों से लदा हुआ यह आम का बगीचा भौरों के गुनगुनाने की एक जानी पहचानी जगह हो सकती है जिसके सुगंध से यह अंचल महक जाता होगा। संभवत वर्षों पहले यहां विशाल आम्रकुंज रहा होगा जो बांध के क्षेत्र में आ जाने के कारण अब छोटा हो चला है। लेकिन बरसों बाद भी अपने फलों और आम के बौरों के सुगंध में कोई कमी नहीं आने दी है। सामने ऊंचे पत्थरों से बंधा गेज बांध अपनी विशाल बाहें फैलाए अपनी मजबूती और विशालता का परिचय देता है। जहां ऊंचाई तक पहुंचने के लिए मध्य में बनी सीढ़ीयों से आपको ऊपर चलना होगा। ऊपर जाने के बाद ऐसा प्रतीत होता है मानो इस बांध की बड़ी-बड़ी भुजाएं इस विशाल समुद्र जैसे पानी की को इधर-उधर भागने से रोकने की कोशिश कर रही है। इसी बांध के गेट से सिंचाई विभाग ने छोटा द्वार खोल दिया है जो सड़क पार करता हुआ छोटे जल धारा में इस तरह आगे बढ़ता है मानो घुटनों के बल चलता कोई बच्चा तेजी से आगे भागने की कोशिश कर रहा हो। जल के बहाव की किलकारी के साथ वह रुककर पीछे भी देखता है कि कोई व्यक्ति उसे पीछे पकड़ने तो नहीं आ रहा है। आम की झुकी हुई डालियों के झुरमुट के बीच से आगे बढ़ने पर इसी जल का एक हिस्सा नाला काटकर शिवपुर छरछा गांव एवं कोयला कर्मचारियों को जलापूर्ति के लिए बनाए गए पंप हाउस के कुएं में पहुंचता है जहां से पूरी बस्ती को पीने और निस्तार का पानी पहुंचाया जाता है। आगे की ओर बढ़ता यह नाला धीरे-धीरे बैकुंठपुर तक पहुंचता है जहां इसका जल बैकुंठपुर जिला मुख्यालय के आम नागरिकों के पीने एवं निस्तार के काम आता है। इसी नदी पर बना पुल कोरिया जिले को अंबिकापुर एवं आगे झारखंड तथा बनारस जाने के अंतर्राज्यीय मार्ग से जोड़ता है। यह पुल पुराने समय से बैकुंठपुर की सीमा रेखा भी कहलाती है क्योंकि इसके पार होते ही थोड़ी दूर आगे बढ़ते ही दूसरे गांव मांड़ी की सीमाएं प्रारंभ हो जाती हैं।

गेज बांध का कुल क्षेत्रफल लगभग 38 हैक्टेयर है जिसमें भरने वाले पानी की मात्रा वर्षा जल से आने वाले जल के कारण बदलती रहती है क्योंकि छोटे-छोटे सहयोगी नदी नालों का बहने का असर भी इस पर प्रभाव डालता है। लगभग 05 दशक पूर्व बने गेज बांध में जमी गाद और कचरा भी इसकी जल भराव क्षमता को प्रभावित करती है। यह बांध पीने के पानी के साथ दस गांवों के लगभग 1100 किसान परिवारों को सिंचाई संसाधन उपलब्ध कराती है, लेकिन बरसात की कमी के बीच कई बार सिंचाई के पानी को बंद भी करना पड़ता है। अभी पिछले वर्ष 2024 में पानी की कमी के कारण सिंचाई के लिए पानी बंद करना पड़ा था। बांध के ऊपरी हिस्से में काफी चौड़ी मेढ़ बांधी गई है, जिस पर से गाड़ियां मोटरसाइकिल आने जाने का साधन ग्रामीण जनों के लिए उपलब्ध है। यह मेढ़ एक गांव से निकलकर आगे दूसरे गांव को जोड़ता है। इस विशाल बांध का गहरा नीला जल भराव आपको बरबस ही आकर्षित करता है। इस बांध के किनारे उगे हुए जलीय वनस्पतियां कि फैलाव एवं काई की विभिन्न प्रजातियों का रंग बिरंगा आकर्षण आपको एकटक देखने को बाध्य करता है। पानी के भीतर और बाहर पौधों का फैलाव जहां एक ओर स्वस्थ जैव विविधता को प्रदर्शित करता है वही इनका सामूहिक निवास अलग-अलग रंगों से बांध को सुंदरता प्रदान करता है। यहां पहुंचकर आप कुछ देर ठहर कर इसे जरुर देखना चाहेंगे। जल और जलीय पौधों का यह आकर्षण आपको घंटों बांधकर रखता है। विशाल जल का फैलाव और वहां उत्पन्न होती छोटी-छोटी रंग बिरंगी वनस्पतियों के साथ दूर तक फैली बांध की बांहें आपको नीचे विकसित किए गए उद्यान विभाग के विकसित किए गए उद्यान तक ले जाते हैं जहां नारियल,आम, लीची, जैसे पौधों सहित सौंदर्य वर्धक पौधे लगाए गए हैं जो आपको अपने बगीचे के लिए भी उपलब्ध कराए जाते हैं। बांध का निचला हिस्सा होने के कारण जमीन में व्याप्त पर्याप्त नमी इस उद्यानिकी विभाग के पौधों को मिलती रहती है। यहां तक पहुंचाने के लिए बांध मार्ग की बजाय आपको नीचे के मार्ग से जाना ज्यादा आसान और उचित होगा।

गेज नदी एक छोटी नदी है जो एक पहाड़ी के दरारों के बीच जगह बनाती हुई धीरे धीरे आगे बढ़ती है और अपने साथ दो-तीन छोटी-छोटी जलधाराओं को लेकर आगे एक जलाशय में समा जाती है। इसे हम नाग डबरा के नाम से जानते हैं। इसी नाग- डबरा जलाशय का पानी जब अपने पूरे भराव के बाद आगे बढ़ता है तब यह गेज नदी का नाम प्राप्त करता है। बैकुंठपुर और पटना के बीच स्थित इस मुरमा गांव की पहाड़ियों तक की यात्रा बैकुंठपुर से या पटना नगर पंचायत दोनों से तय की जा सकती है। यहां पहुंचने के लिए बैकुंठपुर से सोनहत मार्ग पर चलना होगा। जी हां, यह वही सोनहत की पहाड़ियां हैं जहां से हसदो और गोपद नदी निकलती है। सोनहत पहाड़ के उत्तर पूर्व दिशा से निकलकर यही हसदों नदी जिले के दक्षिण पश्चिमी भाग को सिंचाई संसाधन उपलब्ध कराती है और आगे बढ़ती हुई कोरबा नगर तक पहुंचती है। कोरबा पहुंचने से पहले बांगो नदी के साथ यह बांगो बांध का निर्माण करती है जो कोरबा में पहुंचकर लगभग 08 से अधिक बिजली उत्पादन केंद्रों को पानी उपलब्ध कराती है। इस जल के माध्यम से आज कोरबा नगर लगभग 8000 मेगा वाट बिजली पैदा कर विद्युत सूर्य कहलाता है। मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों को अपने बिजली से रोशन करने वाली यह नगरी देश की उर्जा नगरी के नाम से पूरे देश में जानी जाती है।

नाखूनों के जरिए भी पता चलता है शरीर स्वस्थ है या नहीं, जानिए कैसे

नाखूनों की बदौलत हमारे हाथ सुंदर दिखते हैं और ये हमारी उंगलियों की सुरक्षा भी करते हैं। काफी कम लोग इस बात से वाकिफ हैं कि नाखूनों को देखकर भी यह पता लगाया जा सकता है कि शरीर अंदरूनी तौर पर स्वस्थ है या नहीं। नाखूनों की समस्याएं फेफड़ों की बीमारी या एलर्जी आदि के संकेत दे सकते हैं।आज के लेख में हम आपको बताएंगे कि यह कैसे संभव होता है। अगर आप नाखूनों के जरिए स्वास्थ्य समस्याओं का पता लगाना चाहते हैं तो पहले उनके रंग पर गौर करें। स्वस्थ नाखूनों का रंग गुलाबी होता है, जिनके निचले हिस्से पर थोड़ा सफेद रंग होता है। अगर आपके नाखून पीले हैं तो संभावना है कि आपको फंगल संक्रमण, श्वसन संबंधी समस्या या मधुमेह है। जिनके नाखून सफेद होते हैं उन्हें एनीमिया या हृदय रोग होने का खतरा रहता है। वहीं, नीले नाखून ऑक्सीजन का स्तर कम होने का संकेत देते हैं। हमारे नाखूनों का आकार भी शरीर के बारे में बहुत कुछ कहता है। अगर आपके नाखून ऊपर की ओर मुड़े यानि चम्मच के आकार के हैं तो यह एनीमिया का संकेत है। हृदय रोग और फेफड़ों की बीमारियों की वजह से नाखून उंगलियों के चारों ओर मुड़ने लगते हैं। अगर आपके नाखून बहुत जल्दी बढ़ते हैं तो आप हाइपरथायरायडिज्म का शिकार हैं और अगर वह बहुत धीरे बड़े होते हैं तो आपके शरीर में पोषण की कमी हो सकती है। नाखूनों की बनावट पर ध्यान देकर भी स्वास्थ्य समस्याओं का पता लगाया जा सकता है।

प्रिंटेड सीक्विन गाउन पहन बोल्डनेस का ओवरडोज लगीं जाह्नवी कपूर, हॉटनेस देख अटक जाएंगी सांसें!

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर हाल ही में अपने लेटेस्ट फोटोशूट को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा में हैं. एक्ट्रेस ने स्किन कलर के प्रिंटेड सीक्विन गाउन में ऐसी अदाएं दिखाईं कि फैंस की धड़कनें बढ़ गईं. तीन लाख से ज्यादा कीमत वाले इस गाउन में जाह्नवी का हॉट और ग्लैमरस अंदाज हर किसी को दीवाना बना रहा है.जाह्नवी कपूर की ये लेटेस्ट तस्वीरें फैशन स्टाइलिस्ट मेगन कॉन्सेशियो ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर की हैं. तस्वीरों में जाह्नवी ने एक डीप नेक प्रिंटेड सीक्विन्ड मैक्सी गाउन पहनी है, जिसपर फैंस अपना दिल हार बैठे हैं.एक्ट्रेस ने जो गाउन पहनी है उसकी कीमत करीब 3.09 लाख रुपये बताई जा रही है. इस आउटफिट के साथ उन्होंने मैचिंग स्कार्फ भी कैरी किया है, जो उनके पूरे लुक में रॉयलिटी के सथ-साथ एलिगेंस जोड़ने का काम कर रहा है.

लक्जरी घड़ी खरीदते समय रखें इन बातों का ध्यान, कर पाएंगे सही चयन

घड़ी आज के समय में महज एक एक्सेसरी और समय देखने वाला उपकरण नहीं रह गई है। इसे लक्जरी जीवनशैली दर्शाने के जरिए के रूप में देखा जाने लगा है। लोग इन घड़ियों को सफलता का प्रतीक मानते हैं और निवेश या विरासत के रूप में संभालकर रखते हैं। हालांकि, लक्जरी घड़ी खरीदने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी होता है, ताकि सही चयन किया जा सके। आज के फैशन टिप्स में हम इन पर ही चर्चा करेंगे।

अपने स्टाइल को समझें

खरीदारी करने जाने से पहले आपको अपने व्यक्तिगत स्टाइल को समझना होगा। घड़ियां विभिन्न स्टाइल में उपलब्ध रहती हैं, जो अलग-अलग अवसरों के लिए सही रहती हैं। आपके लिए ऐसी घड़ी चुनना सबसे अच्छा रहेगा, जो आपकी जीवनशैली और स्टाइल को परिभाषित करती हो। आपको औपचारिक समारोहों के लिए ड्रेसी घड़ी लेनी चाहिए, जो एलिगेंट और पेशेवर लुक देती हैं। इसके अलावा स्पोर्ट्स घड़ियां, कैजुअल घड़ियां और क्रोनोग्राफ भी बहुत लोकप्रिय हैं।

फीचर्स पर ध्यान दें

जब आप घड़ी का स्टाइल सोच चुके हों तो उसके फीचर्स के बारे में भी विचार जरूर करें। लक्जरी घड़ियों में अक्सर कुछ खास फीचर्स होते हैं, जिन्हें कॉम्प्लीकेशन्स कहा जाता है। इनमें तारीख दिखने वाला फीचर, चंद्रमा चरण या क्रोनोग्राफ शामिल होते हैं। आपकी जरूरतों के हिसाब से ये फीचर्स आपकी घड़ी की कार्यक्षमता को बढ़ा सकते हैं। इसीलिए, लक्जरी घड़ी पसंद करते समय

उसमें अपनी जरूरत वाले फीचर्स की तलाश करना न भूलें।

बजट तय करें

लक्जरी घड़ियां किफायती दामों पर भी मिलती हैं और लाखों-करोड़ों में भी बिकती हैं। ऐसे में आपको पहले से पता होना चाहिए कि आप घड़ी पर कितने पैसे खर्च कर सकते हैं। खरीदारी से पहले अपना एक बजट तय कर लें और दुकान पर उस बजट के अंदर वाली घड़ियां ही देखें। आपको एक लाख से 5 लाख के बजट में कई शानदार ब्रांड वाली लक्जरी घड़ियां मिल जाएंगी, जिनमें कमाल के फीचर्स भी होंगे।

ब्रांड के स्टोर से ही खरीदें

बाजार में हर लक्जरी घड़ी की पहली प्रति यानि फर्स्ट कॉपी मिलती है, जो नकली होती है। अगर आप इसकी जगह असली ब्रांडेड घड़ी ही लेना चाहते हैं तो केवल ब्रांड के स्टोर से ही खरीदारी करें। ऐसा करने से यह सुनिश्चित होता है कि आपको वैध वारंटी के साथ प्रामाणिक घड़ी ही मिली है। जब आप एक लक्जरी घड़ी खरीदते हैं तो उसके साथ आपको ब्रांडेड पैकेजिंग और विशिष्ट दस्तावेज मिलेंगे। ये उसकी प्रामाणिकता का प्रमाण होते हैं।

सही सामग्री और केस का आकार चुनें

लक्जरी घड़ियां कई अलग-अलग सामग्रियों से बनाई जाती हैं, जिनमें स्टेनलेस स्टील, टाइटेनियम, सोना और सिरेमिक शामिल होती हैं। हर एक सामग्री के अपने खास फायदे होते हैं, जिन्हें ध्यान में रखना आपके लिए बेहतर होगा। इसके अलावा आपको अपनी घड़ी के केस के आकार पर भी गौर करना होगा। ध्यान रखें कि केस का आकार ऐसा हो कि वह आपकी कलाई पर आराम से फिट हो जाए। वह न तो बहुत बड़ा और न ही बहुत छोटा होना चाहिए।

शब्द सामर्थ्य - 238

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सुनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गरिया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संख्या 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे
1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

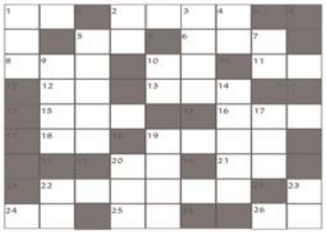

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 237 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कैं	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

भरतपुर ब्लाक में लकड़ी तस्करों के गिरोह ने बर्बाद किया वन संपदा को

जनकपुर। एमसीबी जिले के वनाँचल विकासखण्ड भरतपुर में इन दिनों लकड़ी तस्कर सक्रिय है। ब्लाक अंतर्गत ग्राम अख्तवार और ग्राम जोलगी में बिना अनुमति के दर्जन भर से ज्यादा सरई के विशालकाय वृक्षों को लकड़ी तस्करों द्वारा अवैध रूप से कटाई किये जाने की सूचना ग्रामीणों से प्राप्त हुई है। उक्त सरई के पेड़ गांव के राजस्व भूमि पर लगे थे। हालांकि ग्रामीणों की सूचना पर राजस्व अमला सक्रिय हुआ और मौके में पहुंचकर निरीक्षण कर काटे गए पेड़ों की जप्ती कार्यवाही किए। राजस्व अमला के जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि बिना किसी वैध अनुमति के तस्करों द्वारा इन वृक्षों की कटाई की गई है। वहीं यह बात भी सामने आया कि जोलगी गांव के निवासी सम्हारु राम पिता सिरपत द्वारा लकड़ी तस्करों से मिलीभगत करके 05 नग सरई के पेड़ों की कटाई कराई गई थी। हालांकि इस अवैध कटाई को एसडीएम भरतपुर ने गंभीरता से लेते हुए सम्हारू राम के विरुद्ध अपने न्यायालय में प्रकरण दर्ज करके अर्थदंड प्रस्तावित कर दिए, साथ ही कटे हुए वृक्षों को राजसात करने की कार्यवाही भी प्रारंभ कर दिए है। इसी तरह से गत दिवस ग्राम अख्तवार में भी राजस्व भूमि पर लगी विशालकाय 08 नग सरई के पेड़ों को तस्करों द्वारा काटा गया है, इस प्रकरण में राजस्व विभाग से कार्यवाही किया जाना बाकी है। जबकि पर्यावरण संरक्षण एवं वन संपदा की सुरक्षा के लिए जिला प्रशासन द्वारा कठोर व दण्डात्मक कार्यवाही किए जाने का निर्देश जारी किया गया है। अब सवाल यह उठता है कि राजस्व भूमि में लगी कीमती सरई के दर्जन भर से ज्यादा पेड़ों की कटाई बिना अनुमति के तस्करों द्वारा कर लि गई और राजस्व अमला को खबर नहीं लगना संदेह पैदा करता है।

राजेश कुमार ने दिखाया कृषि में तकनीक और परिश्रम का समन्वय

कोरिया बैकुंठपुर। धान खरीदी अभियान के तहत ग्राम महुआपारा के 29 वर्षीय युवा किसान राजेश कुमार, माता श्रीमती अकिल कुमारी के नाम से टोकन काटाकर साख सहकारी समिति छिंदडाड, पहुँचकर 80.40 क्विंटल धान का विक्रय किया। उनके माता जी के नाम पंजीकृत 1.20 हेक्टेयर कृषि भूमि में धान की बुवाई की थी, जिसमें मेहनत, आधुनिक खेती पद्धतियों और समय-समय पर की गई देखरेख का फल उन्हें संतोषजनक उत्पादन के रूप में मिला। किसान राजेश ने समिति में बताया कि उन्होंने खरीदी केंद्र में आने के लिए मोबाइल ऐप से ऑनलाइन टोकन प्राप्त किया था, जिससे उन्हें लाइन में लगने की परेशानी नहीं हुई और पूरी प्रक्रिया सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हो गई। समिति में तौल, गुणवत्ता परीक्षण और कागजी कार्यवाही भी समय पर पूरी कर ली गई।

मोबाइल ऐप 'तुंहर टोकन' से किया ऑनलाइन टोकन, धान खरीदी केंद्र में प्रक्रिया हुई सुगम

कोरिया बैकुंठपुर। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी अभियान के बीच किसानों में डिजिटल सुविधा का उपयोग बढ़ता जा रहा है। ग्राम खरवत के 33 वर्षीय किसान पुष्पराज (पिता - दुलार साय) ने धान विक्रय करने छिंदडाड़ धान खरीदी केंद्र पहुँचे। पुष्पराज ने कुल 108 क्विंटल धान केंद्र में विक्रय हेतु लाया। खरीदी प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए उन्होंने शासन की डिजिटल सुविधा 'तुंहर टोकन' मोबाइल ऐप का उपयोग कर ऑनलाइन टोकन प्राप्त किया, जिसके चलते खरीदी केंद्र में उनकी प्रक्रिया तेज और सुचारू रूप से संपन्न हुई।

स्काउट गाईड के शिविर में मिली व्यवहारिक जानकारी

चरचा कॉलरी। हिंद विद्यालय इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल, परिसर में विकासखंड स्तरीय स्काउट-गाइड द्वितीय सोपान प्रशिक्षण शिविर का भव्य शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. ओंकार गुप्ता, राष्ट्रीय अध्यक्ष एंटी करप्शन मूवमेंट भारत ,नगर पालिका शिवपुर-चर्चा के अध्यक्ष अरुण जायसवाल,डॉक्टर अनिल गुप्ता, नजम जिया सिद्दीकी, खजान सिंह, नीरज गुप्ता, पवन अग्रवाल, तथा प्राचार्य शशि भूषण राय, श्रीमती निशा राय, स्काउट शिविर संचालक सुनील कुमार बड़ा की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत स्काउट ध्वजारोहण एवं स्काउट गीत के सामूहिक गायन से हुई। तत्पश्चात सभी अतिथियों का पुष्पहार से स्वागत किया गया। वही स्काउट गाइड शिविर संचालक सुनील कुमार ने समस्त अतिथियों को सम्मान स्वरूप स्काउट का स्कार्फ लगाकर उसमें भलाई की गांठ लगाई। अपनी प्रेरणादायी उद्बोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. ओंकार गुप्ता ने कहा कि एंटी करप्शन मूवमेंट भारत का मूल उद्देश्य स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत और भ्रष्टाचार-मुक्त भारतका निर्माण करना है। स्वच्छता का तात्पर्य मन के शुद्धिकरण से है,स्वच्छता केवल बाहरी नहीं, बल्कि मन की शुद्धि ही इसका आधार है। जब मन से जाति का भेदभाव, धर्म, ऊँच-नीच का भेदभाव और गलत तरीके से धन कमाने का भाव समाप्त होगा, तब हम मानसिक रूप से स्वच्छ हो जाएंगे और स्वच्छ समाज बनेगा।आज का युवा ही कल का भाग्य-निर्माता है। यदि युवा सशक्त रहेगा तो देश का भविष्य उज्ज्वल रहेगा। युवा कमजोर होगा तो देश का भविष्य अंधकार मय हो जाएगा शिक्षा के साथ-साथ स्काउट प्रशिक्षण विद्यार्थियों को बहुआयामी ज्ञान प्रदान करता है। इससे गतिविधियों में सक्रियता बढ़ती है, नेतृत्व क्षमता में वृद्धि,आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास,देशभक्ति, सेवा और समर्पण की भावना का विकास होता है तथा विद्यार्थी शारीरिक व मानसिक रूप से सुदृढ़ बनते हैं। स्काउट के माध्यम से कठिन परिस्थितियों में समाधान खोजने की क्षमता विकसित होती है तथा तीन भावना से विद्यालय में सकारात्मक माहौल निर्मित होता है,उन्होंने उपस्थित छात्रों से पूर्ण लगन के साथ अध्ययन करने, आगे बढ़ने और देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। शिविर के शुभारंभ अवसर पर निशान आरा सहायक संचालक ,ममता सिंह, प्रशिक्षक ,राजाराम देवांगन, विकल्प श्रीवास्तव, अमरनाथ सिंह, तथा विद्यालय के शिक्षक मिंटू सर, मंजू केवट ,खुशबू यादव, जयदेव पांडे,उमेश ठाकुर, सफीक अहमद सहित काफी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

पुलिस ने चलाया जन जागरूकता अभियान

जनकपुर। एमसीबी जिले के जनकपुर में क्षेत्र के विधायक श्रीमती रेणुका सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुई रन फॉर यूनिटी के कार्यक्रम में आम जनता में जागरुकता लाने आईजी पुलिस सरगुजा रेंज और पुलिस अधीक्षक एमसीबी श्रीमती रत्ना सिंह के आदेश अनुसार जनकपुर पुलिस ने साइबर क्राइम, यातायात प्रबंधन, रोड सुरक्षा एवं नशा के दुष्प्रभाव से बचने के संबंध में लोगों में जागरूकता लाने के लिए एमसीबी जिला पुलिस के पहल के संबंध में विधायक को अवगत कराया गया।

इस दौरान थाना प्रभारी जनकपुर ओम प्रकाश दुबे द्वारा उपस्थित जन समूह को साइबर अपराध से बचने के उपायों एवं यातायात नियमों का पालन करते हुए स्वयं की सुरक्षा करने कि जानकारी दिए। उन्होंने बताया कि दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाना और चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाकर वाहन चलाना चाहिए। इस तरह यातायात के नियमों का पालन करने से दुर्घटना होने पर गंभीर चोट से बचाव होने की पूरी सम्भावना रहती है। साथ ही नशा मुक्त समाज को बनाए रखने के लिए ड्रग्स के अवैध व्यवसाय पर अंकुश लगाने हेतु पुलिस द्वारा किए जा रहे प्रयासों के संबंध में जानकारी दी गई तथा समाज को ड्रग्स के दुष्परिणामों से बचने के उपायों के संबंध में आम जनता को अवगत कराया गया। इस दौरान थाना जनकपुर के थाना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश दुबे एवं समस्त पुलिस स्टाफ और प्रशासनिक अमला एवं आम जनता उपस्थित थे।

किसान लालचंद ने समर्थन मूल्य पर बेचा 32 क्विंटल धान

कोरिया बैकुंठपुर। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रक्रिया जिले में सुचारू रूप से जारी है। इसी क्रम में ग्राम सरडी निवासी 37 वर्षीय किसान लालचंद साहू ने अपने पिता बासुलाल के नाम से आज छिंदडाड सहकारी समिति में पहुंचकर धान विक्रय किया। लालचंद ने बताया कि उनके पिता के नाम करीब 1.7100 हेक्टेयर धान का रकबा है। उन्होंने ऑनलाइन मोबाइल ऐप से टोकन काटाकर उन्होंने केंद्र 32 क्विंटल धान बेचा। राज्य सरकार द्वारा निर्धारित 2369 प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य के अनुसार उन्हें कुल 75808 की राशि प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि धान बिक्री से मिली राशि का उपयोग वे खाद-बीज खरीदने, आगामी गेहूं की खेती, कर्ज़ भुगतान तथा दैनिक उपयोग की आवश्यकताओं को पूरा करने में करेंगे।

मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य जारी

बलरामपुर। प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का काम चल रहा है, इसी दौरान बलरामपुर जिले में एक शिक्षक पर जिम्मेदारी निभाने में कोताही बरतने का गंभीर आरोप लगा है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय ने कार्रवाई करते हुए शासकीय प्राथमिक शाला फ्तेहपुर में कार्यरत सहायक शिक्षक अशोक कुमार यादव को निलंबित करने का आदेश जारी किया है। सूत्रों के मुताबिक शिक्षक को प्रक्रिया के दौरान गणना पत्रक बांटने और वापस लेने की ड्यूटी सौंपी गई थी। साथ ही उन्हें *मतदान केंद्र क्रमांक 237, फ्तेहपुर में अविहित अधिकारी की जिम्मेदारी भी दी गई थी। आरोप है कि शिक्षक ने न केवल कार्य में उदासीनता दिखाई, बल्कि बिना अनुमति अवकाश पर रहते हुए निर्वाचन संबंधी दायित्वों का निर्वहन भी नहीं किया। इस लापरवाही की शिकायत संबंधित अधिकारी द्वारा की गई थी। मामले की जांच के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने इसे छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 का उल्लंघन मानते हुए शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बलरामपुर कार्यालय निर्धारित किया गया है। नियमों के तहत उन्हें जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा।

एसडीएम भैयाथान के नेतृत्व में अवैध धान भंडारण पर बड़ी कार्रवाई

सूरजपुर। कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशन में जिले में अवैध धान को लेकर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में एसडीएम भैयाथान श्रीमती चांदनी कंवर के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने ग्राम रजबहर, तहसील भैयाथान में छापेमारी की बड़ी कार्रवाई की है।। कार्रवाई के दौरान एक व्यापारी के गोदाम में 220 बोरा धान (कुल 88 क्विंटल) बिना किसी वैध दस्तावेज के भंडारित पाया गया। दस्तावेज प्रस्तुत न कर पाने पर गोदाम को सील करते हुए धान को जप्त किया गया। इसके अलावा कार्रवाई के दौरानग्राम भांडी, तहसील ओड़गी निवासी एक किसान द्वारा उक्त व्यापारी के गोदाम से 80 बोरा धान (32 क्विंटल) क्रय कर परिवहन किया जा रहा था। इस पर तत्परता से कार्यवाही करते हुए 80 बोरा धान सहित ट्रैक्टर को जप्त कर थाना झिलमिली के सुपुर्द किया गया। इस कार्रवाई के दौरान तहसीलदार भैयाथान, नायब तहसीलदार भैयाथान, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी उपस्थित थे। कलेक्टर एस जयवर्धन ने कहा है कि जिले में अवैध धान भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

3200 उपभोक्ताओं को मिलेगी उच्च गुणवत्ता वाली बिजली

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (छ.स्टे.पो.डि.क.लि.) द्वारा मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के तहत ग्रामीण अंचलों में समुचित वोल्टेज पर निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उपकेन्द्रों की क्षमता वृद्धि का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है। इसी क्रम में सूरजपुर संभाग के अंतर्गत उपसंभाग बिश्रामपुर के ग्राम लटोरी स्थित 33/11 केवी उपकेन्द्र में 48.34 लाख रुपये की लागत से 3.15 एमवीए ट्रांसफार्मर को बदलकर 5 एमवीए का नया पॉवर ट्रांसफार्मर विगत दिवस सफलतापूर्वक स्थापित एवं ऊर्जीकृत किया गया।

कलेक्टर ने ली राजनीतिक दलों की बैठक

एमसीबी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचन नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पंजीकृत राजनीतिक दलों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डी. राहुल वेंकट ने की, जबकि अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी अनिल कुमार सिदार ने संचालन एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। बैठक में 01 जनवरी 2026 की संदर्भ तिथि पर आधारित विशेष पुनरीक्षण (स्कृत्र) की प्रगति से सभी प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया तथा राजनीतिक दलों से आग्रह किया गया कि वे शीघ्र बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की नियुक्ति कर सूची उपलब्ध कराएं, ताकि पुनरीक्षण कार्य सुचारू रूप से आगे बढ़ सके।

आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष ने कॉलरी क्षेत्र से जुड़े गंभीर मुद्दे उठाते हुए बताया कि कई मतदाता 2-3 घरों को कैप्चर किए हुए हैं, जिससे फार्म वितरण बाधित हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कई नाम ऐसे मतदाताओं के हैं जो अब निवासरत नहीं हैं या निधन हो चुका है, फिर भी उनके नाम पर फॉर्म जारी हुए हैं। वहीं कांग्रेस के पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि कुछ मतदाता ऐसे हैं जो बिहार में पंजीकृत हैं, फिर भी स्थानीय स्कृत्र में जोड़ने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत कर रहे हैं। इस पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जो मतदाता वास्तविक रूप से निवासरत नहीं हैं, उन्हें सूची से पृथक करना आवश्यक है, क्योंकि ऐसे नामों के कारण मतदान प्रतिशत प्रभावित होता है। उन्होंने राजनीतिक दलों से ऐसे मतदाताओं की पहचान कर सूची उपलब्ध कराने को कहा।

कलेक्टर ने सभी बूथ लेवल एजेंटों को बीएलओ के साथ समन्वय कर फार्म कलेक्शन और सत्यापन कार्य में सहयोग करने के निर्देश दिए।

अमीन भर्ती परीक्षा के लिए व्यापम ने जारी किए दिशा-निर्देश

मोहला। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल व्यापम द्वारा जल संसाधन विभाग अंतर्गत अमीन भर्ती परीक्षा 7 दिसंबर को राज्य के 16 जिलों में आयोजित की जाएगी। जिसके अनुसार परीक्षा का समय पूर्वाहन 12:00 बजे से 2:15 बजे तक निर्धारित है।

केल्हारी सेजस स्कूल में बाल अधिकार सप्ताह का प्रेरणादायी आयोजन

एमसीबी। केल्हारी सेजस स्कूल में बाल अधिकार सप्ताह का आयोजन उत्साह, रचनात्मकता और सामाजिक जागरूकता के साथ सम्पन्न हुआ। जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. खाती के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और बालिकाओं में आत्मविश्वास, सुरक्षा भावना एवं नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम की थीम बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ रही, जिसने बालिकाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान किया और विद्यालय में सकारात्मक व प्रेरणादायी माहौल निर्मित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एन.एस.एस और एन,सी.सी द्वारा प्रस्तुत संयुक्त नाट्य प्रस्तुति रही, जिसमें बाल संरक्षण, भेदभाव, शिक्षा के अधिकार तथा सुरक्षित वातावरण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रभावशाली तरीके से दर्शाया गया। चित्रकला, पोस्टर निर्माण और कहानी लेखन गतिविधियों में बालिकाओं ने खुशहाल बचपन-सुरक्षित बचपन विषय पर अपनी संवेदनशीलता और सामाजिक समझ का बेहतरीन प्रदर्शन किया। यदि मैं पिता या माता होती विषय पर लिखी गई रचनाओं ने बच्चों की परिपक्व सोच और जिम्मेदारी के गहरे भाव को दर्शाया। वहीं मेरे सपनों का भविष्य विषय पर लिखी कहानियों में आत्मनिर्भर भारत, समान अवसरों और उज्जवल भविष्य की स्पष्ट झलक दिखाई दी। कार्यक्रम के सफल संचालन में जिला मिशन समन्वयक श्रीमती तारा कुशवाहा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मिशन शक्ति विभाग की वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ श्रीमती अनीता कुमारी शाह, सखी वन स्टॉप सेंटर की काउंसलर सुश्री अमीषा कुशवाहा तथा विधिक सेवा प्राधिकरण की श्रीमती अंजनी यादव ने छात्राओं को प्रेरक मार्गदर्शन प्रदान किया। निर्णायक मंडल द्वारा सर्वश्रेष्ठ कहानियों और प्रस्तुतियों का चयन कर छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के प्रिंसिपल आर.सी. नामदेव और शिक्षकों ने बच्चों की रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जागरूकता की सराहना की। कार्यक्रम का समापन सभी बालिकाओं को नाश्ता वितरण के साथ हुआ।

13 दिसंबर को आयोजित होगी वर्ष 2025 की अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के दिशा-निर्देशानुसार, वर्ष 2025 की अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आगामी 13 दिसंबर 2025 को किया जाएगा। इस महाअभियान को सफ्ल बनाने और आम जनता को त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सूरजपुर ने एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की। यह बैठक अध्यक्ष/प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती विनीता वार्नर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लोक अदालत की तैयारियों पर गहन चर्चा की गई।

दो पालियों में संपन्न हुई समीक्षा बैठक लोक अदालत के सफ्ल क्रियान्वयन हेतु यह बैठक दो अलग-अलग पालियों में आयोजित की गई। प्रथम पाली में राजस्व व प्रशासनिक अमले के अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए। इस सत्र में अपर कलेक्टर जगरनाथ वर्मा सहित जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी और कार्यकारी मजिस्ट्रेट (तहसीलदार) शामिल हुए। इसमें राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण पर जोर दिया गया। द्वितीय पाली पुलिस अमले के अधिकारी शामिल हुए। दूसरे सत्र में जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (स्क्) प्रशांत कुमार ठाकुर, सभी थाना प्रभारी और यातायात प्रभारी उपस्थित रहे।

बैठक के मुख्य बिंदु और उद्देश्य बैठक के दौरान लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक पक्षकारों को लाभ पहुँचाने के लिए निम्नलिखित बिंदुओं पर रणनीति तैयार की गई। प्रकरणों का चिन्हांकन- जिला न्यायालय, तालुका न्यायालय, कुटुंब न्यायालय और सभी राजस्व न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों को चिन्हित कर लोक अदालत में रखने के निर्देश दिए गए। प्री-लिटिगेशन प्रकरण मुकदमा शुरू होने से पहले के मामलों पर विशेष जोर दिया गया। इसमें शामिल हैंरू पारिवारिक विवाद और जमीन संबंधी लड़ाई-झगड़े। वित्तीय सेवाओं से जुड़े मामले (बैंक लेनदेन, बिजली बिल, पानी और फेन बिल आदि)। जन-जागरूकता बैठक में इस बात पर विशेष चर्चा हुई कि लोक अदालत के फयदे और आयोजन की जानकारी जिले के अंतिम नागरिक तक कैसे पहुंचाई जाए, ताकि ग्रामीण अंचल के लोग भी इसका लाभ उठा सकें। लक्ष्य जिला एवं राज्य शासन के विभागों की निगरानी में वित्तीय सेवाओं से संबंधित प्री-लिटिगेशन मामलों में पक्षकारों को इस वर्ष की अंतिम लोक अदालत में अधिकतम राहत प्रदान करना।ये रहे उपस्थित इस विशेष परिचर्चा और समीक्षा बैठक में न्यायिक, प्रशासनिक और पुलिस विभाग के प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता श्रीमती विनीता वार्नर (अध्यक्ष/प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश) ने की। न्यायिक अधिकारी मानवेंद्र सिंह (प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश), डी.एस. बघेल (मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट), सुपायल टोपनो (सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण) बैठक में उपस्थित रहे।

मतदाता गणना पत्रक को पूर्ण रूप से भरकर 4 दिसंबर के पूर्व बीएलओ के पास करना होगा जमा

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन द्वारा तहसील लटोरी, जरही, भटगांव व भैयाथान में एसआईआर कार्य प्रगति की मैदानी जांच की गई।उन्होंने डाटा सेंटर पहुंच कर डिजिटाइजेशन कार्य का अवलोकन भी किया। उन्होंने उपस्थित संबंधितों को निर्देशित किया कि एंट्री का कार्य बारीकी से सूक्ष्म परीक्षण के साथ किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को लक्ष्य अनुसार कार्य पूर्ण करने एवं मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ में विशेष गहन पुनरीक्षण अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 का कार्य किया जा रहा है। सूरजपुर नगरीय निकाय क्षेत्र व जनपदों में ऑडियो प्रचार वाहन के माध्यम से विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाताओं को गणना पत्रक भरने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही बीएलओ द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण वर्ष 2025 की मतदाता सूची के आधार पर सभी मतदाताओं को गणना पत्रक का घर-घर जाकर वितरण किया जा रहा है। यह गणना पत्रक सभी मतदाताओं को भरना अनिवार्य है। जिला निर्वाचन कार्यालय सूरजपुर में मतदाता हेल्पडेस्क की सहायता से मतदाताओं को 2003 की मतदाता सूची में नाम खोजने की सुविधा दी जा रही है। मतदाता गणना पत्रक को पूर्ण रूप से भरकर 4 दिसंबर 2025 के पूर्व बीएलओ के पास जमा करना होगा। बीएलओ द्वारा गणना पत्रक भरने में मतदाताओं की सहायता की जा रही है। बीएलओ 4 नवम्बर से 4 दिसंबर 2025 के बीच प्रत्येक मतदाता के पास अधिकतम तीन बार मतदाता द्वारा भरे गणना पत्रक प्राप्त करने के लिए जाएगे। गणना पत्रक ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से भी भरा जा सकता है। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान वर्ष 2025 में दर्ज मतदाताओं की जानकारी वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मिलान किया जायेगा। इस दौरान मतदाता के स्वयं तथा उनके माता, पिता, दादा व दादी के नाम का मिलान 2003 की मतदाता सूची से हो जाता है, तो ऐसे मतदाताओं को किसी भी प्रकार के दस्तावेज प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी। विशेष गहन पुनरीक्षण वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नाम ऑनलाईन पोर्टल पर सर्च करने के लिए उपयोग कर सकते है। इसके अतिरिक्त मतदाता वोटर हेल्पलाइन टोल फ्री नंबर 1950 में संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते है। मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 9 दिसंबर 2025 को किया जायेगा। प्रारंभिक प्रकाशन में उन्ही मतदाताओं के नाम शामिल किए जाएंगे, जिनके गणना पत्रक बीएलओ या ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त होंगे। प्रारंभिक प्रकाशन उपरांत प्रकाशित मतदाता सूची हेतु दावा आपत्ति 8 जनवरी 2026 तक प्राप्त की जाएगी। दावा आपत्ति के निराकरण उपरांत अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जायेगा।

पोड़ी सब डिवीजन की नदियों का सीना चीर कर रेत की तस्करी करने वाला तंत्र बेखौफ

हर दिन बड़ी मात्रा में गौण खनिज हो रही पार

कोरबा। कोरबा जिले के पोड़ी उपरोड़ा सब डिवीजन में विभिन्न नदियों से रेत की तस्करी सरेआम जारी है। यहां-वहां रेत खनन के साथ परिवहन करने से लेकर कहीं भी डंपिंग कराई जा रही है। पूरी व्यवस्था के चक्कर में सरकार को नुकसान हो रहा है।

पोड़ी उपरोड़ा के आसपास के क्षेत्रों में स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि नदी तट पर जेसीबी और टुटेन गाड़ियों का उपयोग कर बड़े पैमाने पर हाइवा से रेत परिवहन किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस पूरे खेल में प्रभावशाली राजनीतिक चेहरों की शह शामिल है, जो अपनी पहुंच का लाभ उठाकर धड़ल्ले से अवैध उत्खनन करवा रहे हैं। पोड़ी उपरोड़ा, बांगो, ऐतमा नगर और गुरसिया क्षेत्र में इन दिनों रेत चोरी का कारोबार बेतहाशा बढ़ गया है। बिना रायल्टी रेत उत्खनन और परिवहन से प्रतिदिन लाखों रुपये का राजस्व शासन को चपत लग रहा है। ग्रामीणों के अनुसार सबसे अधिक अवैध उत्खनन चर्रा क्षेत्र की तान नदी में हो रहा है, जहाँ रात-दिन मशीनें चलती रहती हैं। ठेकेदारों द्वारा ट्रैक्टर, मिनी हाइवा एवं अन्य भारी वाहनों से लगातार रेत सप्लाई की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, रेत ढुलाई करने वाले हर वाहन से जमीन मालिकों द्वारा 200 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। वहीं स्थानीय पुलिस व माइनिंग विभाग की ढिलाई से ठेकेदारों के हौसले बुलंद हैं। मज़ेदार बात यह है कि जेसीबी जैसी मशीनों का नदी से रेत उत्खनन में उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है, फिर भी मौके पर इनकी तैनाती आम बात बन चुकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी परियोजनाओं की आड़ में बड़े पैमाने पर अवैध रेत निकाली जा रही है, पर इसकी सप्लाई निजी निर्माण कार्यों में हो रही है। क्षेत्र में लंबे समय से शिकायतें उठ रही हैं। लगातार बढ़ते रेत परिवहन, नदी तट पर भारी मशीनरी की खुली तैनाती और शासन को हो रहे नुकसान को देखते हुए ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि पुलिस प्रशासन एवं खनिज विभाग ने यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए, तो आने वाले दिनों में यह अवैध कारोबार और भी मजबूत हो जाएगा। अब देखने वाली बात यह है कि जिला प्रशासन, पुलिस और माइनिंग विभाग इस बड़े नेटवर्क पर कब और कैसे लगाम लगाते हैं। क्या अवैध रेत उत्खनन पर नकेल कसने के लिए कोई व्यापक अभियान शुरू होगा।

कार्रवाई से बचने पीएम आवास का दे रहे तर्क

रेत ढोने वाले कई ट्रैक्टर चालक पीएम आवास योजना के लिए रेत ले जाने की बात कहते हैं, लेकिन यह सिर्फ दिखावा है। हकीकत यह है कि रेत सीधे निजी ठेकेदारों को सप्लाई की जा रही है। लाल घाट के मान गुरु जंगल इलाके से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के नाम पर रेत ले जाने के दावे किए जा रहे हैं, जबकि वहाँ से होने वाला अधिकांश उत्खनन बिना रायल्टी का है, जिससे शासन के लाखों रुपये का राजस्व सीधे प्रभावित हो रहा है।

कोयला कामगार कल करेंगे प्रर्दशन

कोरबा। बदले गए श्रमकानून के विरोध में 4 श्रमिक संगठनों द्वारा कल प्रदर्शन किया जाएगा। जिसकी तैयारी जोरशोर से की जा रही है। इनके द्वारा बैठक लेकर कोयला कामगारों को तैयार रहने कहा गया है। कल 26 नवंबर को श्रमिक क्लब गेवरा में रेशमलाल यादव, दीपक उपाध्याय, गोपाल यादव, डीके मिश्रा, छंदराम राठौर, शेखचांद मंसूरी, विकास शुक्ला, एमपी सिंह सहित अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदर्शन किया जाएगा। इसी तरह कुसमुंडा में भी काली पट्टी लगाकर सौजी जॉन एनके सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन करेंगे। कोरबा एरिया के अनूप सरकार गोपालनारायण सिंह, धर्माराव, मनीष सिंह के नेतृत्व में प्रदर्शन करने की तैयारी की जा रही है। इस आंदोलन में चार श्रमिक संगठन ही शामिल है।

पर्यवेक्षक आएंगे कोरबा

कोरबा। आज साहू समाज के पर्यवेक्षक रामलाल साहू, मुकेश साहू कोरबा आकर कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। जिलाध्यक्ष गिरजा साहू द्वारा बैठक की तैयारी की जा रही है। पर्यवेक्षक द्वारा बैठक लेते हुए चुनाव के संबंध में चर्चा की जाएगी। आने वाले दिनों में जिला साहू समाज का चुनाव होना है। जिलाध्यक्ष गिरजा साहू के नेतृत्व में संगठन काफी मजबूत हुआ है।

कामगारों गिफ्ट देने की तैयारी

कोरबा। एसईसीएल मानिकपुर मनोरंजन क्लब की बैठक आयोजित की गई। जिसमें समिति द्वारा गिफ्ट देने की तैयारियों पर चर्चा की गई। इसके अलावा क्लब के बाहर शेड बनाने को लेकर भी विचार विमर्श किया गया। समिति के सदस्य मिरीलाल साहू, भूषण नारंगे, राजेश पिल्ले, डी रविन्द्र, छतराम मिरी सहित अन्य सदस्यों ने अन्य मुद्दों पर चर्चा की। इस बैठक में जेसीसी सदस्य प्रमोद बेनर्जी, सुब्रतदास, उज्वल बेनर्जी, राजू श्रीवास्तव, संजय सिंह, नलिन्द्र पवार, सुरेन्द्र पांडेय, जी राजेश, चंदराम, राजकुमार शर्मा ने भी अपने विचार रखे। 25 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम के संबंध में चर्चा की गई।

समजीत बने संयोजक

कोरबा। एक देश एक चुनाव को लेकर रायपुर में बैठक आयोजित की गई। जिसमें समजीत सिंह को कोरबा जिले का संयोजक व मोंटी पटेल को सहसंयोजक बनाया गया है। भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी के निर्देश पर यह दोनों पदाधिकारी क्षेत्रों में जाएंगे और बैठक लेंगे। आमजनता को बताने का प्रयास करेंगे कि एक देश एक चुनाव कितना कारगार है। पैसे की बचत होगी। बार-बार चुनाव होने से विकास कार्य में बाधा पहुंचती है।

*कोरबा। एसईसीएल सुभाष ब्लॉक मुख्य मार्ग के गड्ढे अभी भी जस के तस बने हुए हैं। काफी समय से इसकी उपस्थिति यहां से आना-जाना करने वाले लोगों को परेशान कर रही है। इसकी सुधार के लिए न तो एसईसीएल प्रबंधन गंभीर है और न ही नगर निगम।

जर्जर सड़क पर फंस गया ट्रेलर

कोरबा। एसईसीएल कुसमुंडा प्रबंधन की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। खराब सड़कों के चलते आम लोगों और भारी वाहनों को रोजाना मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच कुसमुंडा थाना के पास एक भारी ट्रेलर गड्ढे में फंस गया, जिसके कारण घंटों तक जाम की स्थिति बनी रही। स्थानीय व्यापारी और नागरिक कई बार सड़क मरम्मत की मांग कर चुके हैं, लेकिन प्रबंधन पर इसका कोई असर नजर नहीं आ रहा है। आरोप है कि मरम्मत के नाम पर लाखों रुपये की बंदरबांट की जा रही है। सड़क की हालत इतनी खराब है कि रोजाना जाम की स्थिति बनती है। भारी वाहन फंस जाते है। बार-बार शिकायत करने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं होती। कुसमुंडा क्षेत्र में उत्पादन कार्य में पहले से ही पिछड़ रहा एस ई सी एल प्रबंधन अब सड़क व्यवस्था को लेकर भी पूरी तरह असफल साबित हो रहा है। खराब सड़कों के कारण ना केवल आम लोगों को परेशानी हो रही है, बल्कि उत्पादन में लगे भारी वाहनों को भी लगातार नुकसान उठाना पड़ रहा है। आज एक ट्रेलर के गड्ढे में फंसने से लगभग एक घंटे तक यातायात बाधित रहा।

सरकार जागो, कोरबा को चाहिए खुद का आयुष कार्यालय जल्द

सरकार के उच्च अधिकारियों को है मामले की जानकारी

कोरबा। आत्मनिर्भर भारत को लेकर सरकार बड़े स्तर पर कार्यक्रम का संचालन कर रही है और इसके माध्यम से लोगों को बेहतर करने के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। लेकिन इसके ठीक विपरीत कोरबा जिले में आयुष विभाग को अब तक कार्यालय के लिए अपना भवन नहीं मिल सका है और किराए की व्यवस्था पर निर्भरता बनी हुई है। इसके चलते एक प्रकार से सरकार को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। खुद के भवन की व्यवस्था पर इसलिए जोर दिया जा रहा है क्योंकि आयुष अस्पताल का संचालन उसके अपने भवन में शुरू हो सका है।

सरकार की ओर से कोरबा के डेंगापुर क्षेत्र में आयुर्वेद पंचकर्म और अन्य संबंधित विद्या का लाभ मरीजों को देने के लिए आयुष क्लिनिक प्रारंभ कर दिया गया है। सबसे बड़ी बात यह है कि खुद के भवन में यह सुविधा शुरू की गई है और काफी बड़े परिसर में व्यवस्था का संचालन ठीक प्रकार से आयुष की टीम कर रही है। ऐसा होने से कामकाज करना काफी सहज हो गया है। ओपीडी से लेकर फार्मेसी, जांच परामर्श और अन्य सभी प्रकार की सुविधा यहां पर मुहैया कराई गई है। ऐसा होने से बड़ी संख्या में लोगों को लाभान्वित किया जाना आसान हुआ है । पूर्व आयुष क्लिनिक का संचालन वैकल्पिक आधार पर चल रहा था और ऐसे भी समस्या थी जिनका निराकरण हो सका है।

कोरबा जिला मुख्यालय आयुष पॉलीक्लिनिक अब अतीत की बात रह गई है क्योंकि उसके लिए बड़ा भवन, वह भी खुद का उपलब्ध हो गया है। इन सबके विपरीत जिला आयुष अधिकारी कार्यालय के लिए अपना भवन अपने आप में एक जटिल विषय बना हुआ है। हैरानी की बात यह है कि छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 साल पूरे होने के बाद भी कोरबा जैसे आर्थिक रूप से समृद्ध जिले में आयुष अधिकारी के कार्यालय के लिए खुद का भवन नहीं बन सका। यह बात जरूर है कि आधिकारिक स्तर पर कई प्रस्ताव स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ मुख्यमंत्री सचिवालय को भेजे गए। हर पत्राचार के बाद जवाब मिला कि प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है और शीघ्र अगली कार्रवाई की जाएगी लेकिन वह दिन अभी तक नहीं आ सके। और यही कारण है कि अलग-अलग कॉलोनी जिला आयुष अधिकारी कार्यालय एक प्रकार से चक्कर काटने को मजबूर है। हर महीने इसके लिए बड़ी राशि किराए के रूप में अदा करनी पड़ रही है। खुद आयुष विभाग इस बात को स्वीकार करता है कि जितने रुपए अब तक किराए के नाम पर खर्च किए जा चुके हैं, उतने में तो हमारा खुद का भवन बन सकता था और यह अपनी स्थाई व्यवस्था भी होती। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर आयुष विभाग कोरबा में अपने कार्यालय को लेकर आखिर गंभीर क्यों नहीं है। याद रहे कोरबा में दो चार विभागों को छोड़ दिया जाए तो बाकी के जिला स्तरीय कार्यालय के लिए पृथक से भवन बन चुके हैं और ऐसा होने से विभागीय कामकाज हर दृष्टि से सरल हुआ है और कर्मचारियों को सहूलियत हो रही है।

अरसे बाद एक मंच पर मिले शिक्षक, दिखाया टैलेंट

पीएमश्री सेजेस बालको ने किया समन्वय

कोरबा। पीएमश्री सेजेस बालको नगर में वरिष्ठ शिक्षकों का स्नेह सम्मेलन आयोजित किया गया। इस विशेष आयोजन में वे सभी शिक्षक शामिल हुए जिन्होंने वर्ष 1995 से शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय सेवाएं दी हैं। कार्यक्रम में शामिल होने देश-विदेश से शिक्षक पहुंचे थे।

अतिथि शिक्षकों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा की पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। शिक्षकों के द्वारा अपना टैलेंट का परिचय भी इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से दिया गया। इसके पश्चात प्राचार्य मनोकामना पाल ने सभी वरिष्ठ अतिथि शिक्षकों का पुष्पगुच्छ भेंटकर हार्दिक स्वागत किया। उनके द्वारा शाल, श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर अतिथियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित शिक्षकों में मधुलिका गीर, डॉ. चंद्रावती नागेश्वर, उमा दवे, कौशल प्रसाद मनहर, दिनेश कुमार कौशिक आदि सम्मिलित रहे। इनके साथ ही उमा चटर्जी, प्यारेलाल चौधरी, नायडू, राजेश कुमार पसीने, मेरखा आलो एक्का, पुरनचंद पटेल, मजनू तिर्की, गीता हलधर, डॉ. कृष्ण कुमार चंद्र, अयोध्या प्रसाद त्रिवेदी, पुरुषोत्तम प्रसाद कौशिक, विनीता दास, राम हरि शराफ, एम.पी. सिंह, प्रबिला टोप्पो, धीरज अवस्थी, गौरव शर्मा, प्रयास, संगीता मसीह, निशा सोनी, नूरजहां कुर्रे, शिव शंकर मिश्रा, प्रेम कुमारी तिवारी, मनोज कुमार पटेल सहित कुल 40 अतिथि शिक्षक इस सम्मेलन में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समन्वय और संचालन प्राचार्य घनश्याम श्रीवास के द्वारा किया गया। बताया कि कई दशक पहले एक साथ अध्यापन कराने वाले शिक्षकों से हमने संवाद किया और एक मंच पर कार्यक्रम करने का विचार साझा किया। इनमें से की भारत और दूसरे देशों में शिफ्ट हो चुके हैं जिन्होंने हमारी भावना का सम्मान करते हुए कार्यक्रम के लिए समय निकाला। इस कार्यक्रम के जरिए एक दूसरे से संपर्क और संवाद करना आसान हुआ और उपलब्धियां के बारे में जानकारी हुई। कोशिश होगी कि आगामी समय में भी इस तरह के कार्यक्रम किए जाते रहे ताकि मेलजोल की निरंतरता बनी रहे।

पंडित मुकुटधर पांडे साहित्य भवन में पद्मश्री डॉक्टर सुरेंद्र को किया याद

कोरबा। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी कविताओं से प्रसिद्धि प्राप्त करने वाले स्वर्गीय पद्मश्री सुरेंद्र दुबे को कोरबा के साहित्यकारों ने एक कार्यक्रम में याद किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ी और हिंदी गीतों की प्रस्तुति देकर डॉ सुरेंद्र दुबे की स्मृति को ताजा किया गया।

वरिष्ठ साहित्यकार यूनुस दानियालपुरी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विद्या की देवी सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और पूजा अर्चना करने के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। नगर पालिका निगम कोरबा के सभापति नूतन ठाकुर इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कार्यक्रम में अपनी बात रखी और एक गीत के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन भी किया। साहित्य समिति के संरक्षक यूनुस दानियालपुरी , अध्यक्ष कमलेश यादव ने इस अवसर पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में डॉक्टर कृष्ण कुमार चंद्र, संयोजक अर्चना साहू, जितेंद्र शिवकुमार साहू, बलराम राठौड़, जय नारायण राठौर, भारती चौरसिया, अपूर्व सिंह, सूरज गौरी, भरत साहू, व अन्य कवियों ने अपनी रचनाओं से कार्यक्रम को सफल बनाया।

कोरबा के ग्रामीण अंचल में आरएसएस का नगर संपर्क अभियान द्रुत गति से जारी है।

मदनपुर में हाथी विशेषज्ञ दुबे ने दिया जागरूकता का संदेश

प्रशिक्षाणार्थी प्रशिक्षक व ग्रामीणजन हुए प्रभावित

कोरबा। वन मंडल कोरबा अंतर्गत विचरणरण हाथियों के दलों से मानवीय द्वंद को रोकने के लिए लगातार प्रयासरत वनमंडलाधिकारी श्रीमती प्रेमलता यादव के कुशल मार्गदर्शन में वनमंडल के विभिन्न वन परिक्षेत्रों में सघन जनजागरूकता के लिए हाथी/वन्य प्राणी विशेषज्ञों के सहयोग से वनवासियों को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में दक्षिण कोरबा उप वनमंडल के पसरखेत वन परिक्षेत्र में सूर्यकांत सोनी उप वनमंडलाधिकारी के निर्देशन में ग्राम मदनपुर में आयोजित राष्ट्रीय सेवायोजना प्रशिक्षण शिविर में 23.11.25 को छत्तीसगढ़ राज्य वनजीव बोर्ड के सदस्य प्रभात दुबे (वरिष्ठ हाथी विशेषज्ञ)द्वारा जागरूकता का संदेश दिया गया। जिससे समस्त प्रशिक्षाणार्थी, प्रशिक्षक एवं ग्रामीणजन प्रभावित हुए। कार्यक्रम में डब्लूटीआई फिल्ड आफिसर सुशांतो ने भी अपने अनुभव साझा किये। इसी कड़ी में 24.11.25 को हाई स्कूल फूलसरी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां उपस्थित छात्र-छात्राओं, उनके पालक, शिक्षकगण एवं अन्य ग्रामीणजनों ने श्रवण का द्वंद नियंत्रण के विषय में जाना, स्नेक रेस्क्यूवर अभिषेक यादव द्वारा सर्पदंश एवं उपचार विषय पर रोचक प्रस्तुति दिया गया। कार्यक्रम आयोजन के लिए प्राचार्य हाईस्कूल फूलसरी ने विशेष रूप से वनमंडलाधिकारी का आभार व्यक्त किया। उक्त कार्यक्रम पसरखेत वन परिक्षेत्राधिकारी देवदत्त खांडे एवं उनकी टीम में शामिल साहनीराम राठिया उप वनक्षेत्रपाल, अशोक यादव वनरक्षक, सरोता बंजारे वनरक्षक,दीपक कुजूर गेमगार्ड, कमलेश कौशिक वनपाल,चंद्रशेखर साहू, वनपाल एवं परमेश्वर बंजारे वनरक्षक के विशेष सहयोग से सफलतापूर्वक संपादित किया गया।

अभी भी नहीं हुई अनेक केंद्रों में बोहनी

कोरबा। सरकारी फरमान के अंतर्गत 15 नवंबर से कोरबा जिले में धान की खरीदी समर्थन मूल्य पर शुरू जरूर कर दी गई लेकिन वास्तविकता यह है कि अभी भी अनेक केदो में धन पहुंचाने की प्रतीक्षा की जा रही है। खबर है कि लंबे समय तक आदिवासी सेवा सहकारी समिति केंद्रों के कर्मचारियों की हड़ताल चलने से वहां की व्यवस्था बिगड़ी रही। अधिकारियों ने क्रेडिट लेने के लिए दबाव बनाया और हड़ताल खत्म कर दी। वैकल्पिक व्यवस्था बनाने के दावे भी कर दिए। इसके बाद पुरानी व्यवस्था पर ही लौटना पड़ा। जानकारी मिली है कि बहुत सारे केंद्रो में आधारभूत व्यवस्था को बनाने के लिए काम किया जा रहा है। इसलिए अभी भी किसने की पहुंच इन केंद्रो तक नहीं हो सकी है। हो सकता है कि सभी कुछ ठीक-ठाक करने के लिए एक सप्ताह तक इंतजार करना पड़ सकता है।

धान खरीदी केन्द्र का शुभारंभ

कोरबा। आज छुरी नगर पंचायत की अध्यक्ष पद्मिनी देवांगन द्वारा धान खरीदी केन्द्र का शुभारंभ किया गया। इस दौरान उपाध्यक्ष हीरानंद पंजवानी, विधायक प्रतिनिधि प्रीतम देवांगन, श्यामलाल साहू, रमेश श्रीवास, टिकैत डोंगरे सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे। भिलाई बाजार में भी धान खरीदी केन्द्र का शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य विनोद यादव द्वारा किया गया। इस दौरान भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष दिनेश राठौर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे। नवापारा करतला में भी धान खरीदी केन्द्र का शुभारंभ हुआ है। इस अवसर पर रामकुमार गभेल मंडल अध्यक्ष, जनपद सदस्य श्याम बाई राठिया, सूरज नंदे, सरपंच नवापारा छत्रपाल राठिया, घिनारा सरपंच दीनानाथ राठिया, बोतली सरपंच खेमचंद जगत, केराकछार सरपंच टिकेश्वर सिंह, किसान सुनऊराम, गौरीबाई आदि उपस्थित थे।

राम मंदिर के उत्सव के साक्षी बने लोग

कोरबा। 22 जनवरी 2022 को अयोध्या में राम मंदिर के पहले चरण की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होने पर भारत सहित अनेक देशों में जश्न मनाया गया। मंदिर के कामकाज पूरे होने के साथ अब इसके शिखर पर भव्यता श्री राम विवाह पंचमी को पूरी हुई। विशाल कलश के साथ आसमान में भगवा ध्वज का आरोहण किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कई हस्तियां इस मौके पर उपस्थित रही। कोरबा जिले के नागरिकों ने टेलीविजन चैनल पर इस विशेष कार्यक्रम को देखा और इसके साक्षी बने। स्थानीय लोगों ने चर्चा में कहा कि उनके जीवन में यह क्षण विशेष रहा। वे काफी समय से इसकी प्रतीक्षा कर रहे थे और इसे हमेशा याद रखेंगे।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com